केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 350 रविवार 14 जुलाई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सीए की परीक्षा पास कर अभिषेक ने बढाया मान

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। हरैया नगर पंचायत निवासी अभिषेक गुप्ता ने सीए की परीक्षा पास कर जिले का मान बढ़ाया है। अभिषेक की सफलता पर उनके सहपाठियों और क्षेत्र के लोगों ने बधाई देते हुए उनके बेहतर भविष्य की कामना की है। अभिषेक की इंटरमीडिएट तक की शिक्षा हरैया कस्बे में स्थित गजाधर सिंह अंगद सिंह एकेडमी में हुई है। गजाधर सिंह अंगद सिंह एकेडमी के प्रधानाचार्य सुभाष चन्द्र त्रिपाठी की अगुवाई में विद्यालय परिवार द्वारा शनिवार को अभिषेक का मिठाई खिलाकर और माल्यार्पण करके स्वागत किया गया। प्रधानाचार्य सुभाष चन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि अभिषेक शुरू से ही मेधावी छात्र रहे हैं। इस सफलता में बाधाएं भी बहुत आईं लेकिन अभिषेक ने हार नहीं मानी और सफलता प्राप्त की है। लक्ष्य बड़ा हो तो बाधाएं भी बड़ी ही आती हैं। कड़ी मेहनत, सकारात्मक सोच और धैर्य के साथ काम करते रहने से बाधाएं दूर होती हैं और सफलता मिलती है। यदि किसी को असफलता भी मिलती है तो निराश नहीं होना चाहिए, बल्कि अपनी गलतियों को समझें और उनसे सीख लेकर फिर से प्रयास करेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी।

इस अवसर पर पंकज सिंह, सुधीर पाठक, राम नरेश शर्मा, दिनेश पाण्डेय, दिनेश मिश्र, संतोष श्रीवास्तव, अलगू प्रसाद, राकेश यादव, सुधाकर पाण्डेय, अमरनाथ केसरवानी, प्रवेश शुक्ल, पवन मिश्र, शिवराम पटेल, अंजू श्रीवास्तव, पूनम सिंह, एकता गुप्ता, अंजली सिंह आदि उपस्थित रहे।

जल सखी को दिया प्रशिक्षण

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। बहादुरपुर ब्लाक सभागार में जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल योजना के तहत समूह की जल सखी का प्रशिक्षण जानकी प्रसाद मेमोरियल रिसर्च एंव एजुकेशनल ट्रस्ट महराजगंज की टीम के प्रशिक्षको द्वारा महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें नुकड़ सभा द्वारा लोगो को जल संरक्षण, संचारी रोग व स्वक्षता अपनाने के लिए जागरूक किए।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डीसीपी हिमांशु त्रिपाठी व एड़ीओ पंचायत जय प्रकाश राय ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। प्रभारी एडीओ पंचायत जय प्रकाश राय ने कहा कि जल संरक्षण बेहद जरूरी है। जल का संचायन करे तभी जीवन संभव है। ग्राम पंचायत के सभी जनप्रतिनिधि इनका सहयोग करें।विशिष्ट अतिथि डीसीपी हिमांशु त्रिपाठी ने कहा कि प्रतेक दिन एक घर को 55 लीटर पानी पीने के लिए मिलेगा। पानी का उपयोग नहाने व कपड़ा धोने में न करे। शुद्ध पेयजल के उपयोग से बीमारियों से निजात मिलेगी। संचारी रोग से बचें। इसके लिए अपने आसपास गंदा पानी न इकट्ठा होने दें। शुद्ध जल का उपयोग करें।

प्रशिक्षक किरन यादव, दुर्गेश दुबे, आदित्य दुबे ने समूह की महिलाओं को संचारी रोग, जल की उपयोगिता, जल जनित बीमारियों के बचाव के उपाय के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही साथ नुक्कड़ सभा के माध्यम से लोगों को जागरूक भी किया। कार्यक्रम संयोजक शिवम मिश्रा, अरुण दुबे, आदित्य, रजनीश दुबे, सुधाकर पाठक, अखिलेश उपाध्याय, कंचन, विमल, शकुंतला, नीलम, रीना चौधरी, शशिकला, मीना, कमलावती, मधु सहित तमाम महिलाएं मौजूद रही।

अयोध्या के बाद बद्रीनाथ भी हारी भाजपा
13 में से 10 पर इण्डिया गठबधन की जीत

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा चुनाव में अयोध्या हारने के बाद भाजपा को एक और धर्मनगरी में शिकस्त का सामना करना पड़ा है। विधानसभा उपचुनावों में उत्तराखंड की बद्रीनाथ सीट पर उसे मुंह की खानी पड़ी है। बद्रीनाथ चार धाम में आता है औ यहां बड़े पैमाने पर विकास कार्य चल रहे हैं। इसके बावजूद मिली हार भाजपा के लिए परेशानी बढ़ाने वाली है। गौरतलब है कि हालिया लोकसभा चुनाव में भाजपा को अयोध्या में हार का सामना करना पड़ा था। भगवान राम की जन्मस्थली पर भाजपा की हार के बारे में किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। इसके अलावा अयोध्या से सटे बस्ती के साथ राम वन गमन पथ पर आने वाले प्रयागराज, चित्रकूट, नासिक और रामेश्वरम की सीटें भी उसे गंवानी पड़ी थीं। अब कुछ ऐसा ही हाल बद्रीनाथ में हुआ है। इसके बाद सवाल उठ रहा है कि क्या भाजपा सरकार धार्मिक स्थलों का विकास करने के बावजूद स्थानीय वोटरों को लुभाने में विफल हो रही है? बता दें कि बद्रीनाथ सीट पहले भी कांग्रेस के ही पास थी। लेकिन कांग्रेस विधायक रहे राजेंद्र भंडारी लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा में चले गए थे। इसके चलते इस सीट पर उपचुनाव की नौबत आई थी।

उप चुनाव में 13 में से 10 सीटों पर इंडिया के उम्मीदवार जीते हैं। हिमाचल और मध्य प्रदेश एक–एक सीट पर भाजपा और बिहार में एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार जीते हैं। चुनाव आयोग ने सभी 13 सीटों के नतीजे आधिकारिक रूप से घोषित कर दिए हैं। इनमें पंजाब में जालंधर पश्चिम सीट पर आप के मोहिंदर भगत जीत गए हैं। हिमाचल की देहरा सीट से कांग्रेस की कमलेश ठाकुर, नालागढ़ से कांग्रेस के हरदीप सिंह बावा और हमीरपुर से भाजपा के आशीष शर्मा को जीत मिली है। पश्चिम बंगाल में सभी सीटें टीएमसी के खाते में जाती नजर आ रही हैं। यहां रायगंज में कृष्णा कल्याणी, बागदा में मधुपर्णा ठाकुर, रानाघाट दक्षिण में मुकुट मणि अधिकारी और मानिकतला में सुप्ति पांडे को जीत मिली है। मध्य प्रदेश में अमरवाड़ा सीट पर भाजपा के कमलेश प्रताप शाह की जीत हुई है। उत्तराखंड में बदरीनाथ सीट पर कांग्रेस के लखपत सिंह बुटोला और मंगलौर सीट पर कांग्रेस के काजी मोहम्मद निजामुद्दीन जीते हैं। बिहार में रुपौली सीट पर लोजपा (रामविलास) से बागी होकर चुनाव लड़े शंकर सिंह जीत गए हैं। तमिलनाडु में विक्रवंडी विधानसभा सीट पर डीएमके के अन्नियुर शिवा को जीत मिली है।

दिन दहाड़े अपहरण मामले में अभी पुलिस के हाथ खाली

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। शहर के पिकौरादत्तूराय मोहल्ले से छात्र का अपहरण बाइक सवारों ने अपहरण कर शहर में सनसनी फैला दी। अपहरण का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि भारतीय बस्ती समाचार पत्र वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। फिलहाल घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के साथ सीओ सिटी मौके पर पहुंच गए।

पुलिस छात्र के बरामदगी को लेकर सात टीमों को लगाया गया है। घटना के 20 घंटे बीतने के बाद भी पुलिस के हाथ ली है। वहीं परिजनों ने छात्र के हत्या करने की आशंका जताई है।

लालगंज थानाध्क्षेत्र के सुकरौली निवासी छात्र मोहित यादव पिकौरादत्तूराय मोहल्ले में अविनाश के मकान में किराए पर रहता है। मकान मालिक की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने लालगंज थानाक्षेत्र के महसो निवासी छात्रनेता आदित्य विक्रम सिंह समेत पांच लोगों के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कर मोहित की तलाश शुरू कर दी है।

घटना के बाबत सीओ सिटी सत्येंद्र भूषण त्रिपाठी ने बताया कि मोहित को बाइक सवारों द्वारा जबरन उठा ले जाने की बात सामने आई है। देर शाम में पुलिस को मिली सूचना के बाद पुलिस टीम तलाश में जुट गई है। घटना को पुलिस ने बेहद गंभीरता से लेकर अपहरणकर्ताओं के ठिकानों की छानबीन चल रही है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 85115 वादों का निस्तारण

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बस्ती द्वारा शनिवार को जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुलदीप सक्सेना के मार्गदर्शन में तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बस्ती अपर जिला जज अनिल कुमार के प्रभार में जनपद न्यायालय परिसर, सभी ग्राम न्यायालय, सभी तहसील, राजस्व न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसमें जिलाधिकारी रवीश गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक, गोपाल कृष्ण चौधरी एवं अन्य विभाग का सराहनीय सहयोग रहा।

उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के कुल 85115 वादों का निस्तारण किया गया जिसमें बैंक ऋण व अन्य प्रकार से सम्बन्धित प्री–लिटिगेशन स्तर पर 62118 मामलों को एवं न्यायालयों के 22997 वादों का निस्तारण सुलह–समझौते के आधार पर कराया गया।

भारत विकास परिषद मनवर शाखा की बैठक में पौधरोपण का निर्णय

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। भारत विकास परिषद मनवर शाखा की बैठक शनिवार को शाखा के अध्यक्ष सुभाष चन्द्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में गजाधर सिंह अंगद सिंह एकेडमी हरैया में संपन्न हुई। बैठक में 17 जुलाई बुधवार को पौधरोपण अभियान के अन्तर्गत पौधा लगाने सहित तमाम मुद्दों पर विचार विमर्श हुआ। बैठक को सम्बोधित करते हुए सुभाष चन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि पौधरोपण कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को शामिल होने का आह्वान करते हुए कहा कि जिस प्रकार से वैश्विक स्तर पर ग्लोबल वार्मिंग का खतरा मंडरा रहा है तथा ऋतु चक्र भी प्रभावित हुआ है। उसको देखते हुए हम सभी को अधिक से अधिक संख्या में पौधरोपण करके पर्यावरण को साफ सुथरा बनाने में मदद करनी चाहिए। शाखा के संरक्षक अवधेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि पौधरोपण कार्यक्रम के बाद छात्र वंदन गुरु अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा जिसकी तिथि बाद घोषित की जाएगी।

इस अवसर पर शाखा सचिव सन्तोष कुमार शुक्ल, वित्त सचिव रवीश कुमार मिश्र, संगठन सचिव विवेक कान्त पाण्डेय, मीडिया प्रभारी अनिल कुमार पाण्डेय, आशुतोष शुक्ल, नटवर सिंह, वेद प्रकाश मिश्र, कुलदीप पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

समाधान दिवस में दिया निर्देश

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । शनिवार को जिलाधिकारी बस्ती रवीश गुप्ता व पुलिस अधीक्षक बस्ती गोपाल कृष्ण चौधरी द्वारा थाना नगर व थाना कलवारी पर आयोजित थाना समाधान दिवस पर फरियादियों के समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित व गुणवत्तापरक निस्तारण हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। कहा कि राजस्व विभाग व पुलिस विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों की टीम बनाकर मौके पर जाकर शिकायतों के शत–प्रतिशत त्वरित, निष्पक्ष, समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया । समाधान दिवस के दौरान संबधित नायब तहसीलदार, थाना प्रभारी, सम्बन्धित हल्का लेखपाल व थाने के अधिकारीध्कर्मचारीगण मौजूद रहे।

छात्र मोहित यादव के अपहरण पर भड़के समाजवादीः डी.एम.एसपी. को सौंपा ज्ञापन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने शनिवार को छात्र मोहित यादव के अपहरण मामले में जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि यदि मोहित यादव को सकुशल बरामद कर मुख्य आरोपियों को 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार न किया गया तो समाजवादी पार्टी जन आन्दोलन को बाध्य होंगे और इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

—12 घंटे में सकुशल बरामदगी न हुई तो होगा आन्दोलन— महेन्द्रनाथ यादव

अपहरण मामले में एपीएएन पीजी कॉलेज के छात्रनेता आदित्य विक्रम सिंह समेत पांच आरोपियों के खिलाफ पुलिस मुकदमा दर्ज दर्ज कर ढूढने में लगी है। 12 जुलाई की शाम हुई घटना से शहर में सनसनी फैल गई है। अपहरण का सीसीटीवी फुटेज भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

लालगंज थाना क्षेत्र के सुकरौली निवासी मोहित यादव पुत्र स्वर्गीय मुकेश यादव पिकौरादत्तूराय मोहल्ले में अविनाश के मकान में किराए पर रहकर पढ़ाई करता है। अविनाश ने तहरीर दिया कि दो बाइक पर सवार पांच लोगों ने उनके मकान से बुलाकर मोहित यादव का अपहरण कर लिया। कोतवाली पुलिस ने लालगंज थाना क्षेत्र के महसों निवासी छात्रनेता आदित्य विक्रम सिंह समेत पांच लोगों के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कर मोहित की तलाश कर रही है। मोहित यादव को बाइक सवारों द्वारा जबरन उठा ले जाने की बात सामने आई है।

ज्ञापन देने के बाद सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि जनपद में कानून व्यवस्था की स्थिति दयनीय है। छात्र मोहित यादव पुत्र स्वर्गीय मुकेश यादव को दिन दहाड़े कमरे में घुसकर मारने पीटने, अपहरण कर लेने की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने बताया कि जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने आश्वासन दिया है कि 12 घंटे के भीतर अपहरण मामले का पर्दाफांस कर लिया जायेगा। यदि प्रशासन विफल रहा तो समाजवादी पार्टी आन्दोलन को बाध्य होगी।

डीएम, एसपी को ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से सपा विधायक कविन्द्र चौधरी अतुल, मो. स्वालेह, जावेद पिण्डारी, अरविन्द सोनकर, ज्ञानचन्द चौधरी, कक्कू शुक्ला, मधुबन यादव, युनूस आलम, भोला पाण्डेय, एबादुल हक, रजनीश यादव, पिन्टू शुक्ल, प्रशान्त यादव, सदावृक्ष तिवारी, रामशव्द यादव के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

हम जीतते हैं या सीखते हैं–हरीश द्विवेदी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। महादेवा और बस्ती सदर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा ने कुदरहा निजी मैरेज हाल और भाजपा कार्यालय में मतदाता अभिनंदन समारोह का आयोजन किया। इसमें विधानसभा क्षेत्र के सभी मंडलों से आए मतदाताओं का सम्मान किया गया। दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ निवर्तमान सांसद हरीश द्विवेदी और जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र पूर्व विधायक रवि सोनकर, अंकुर वर्मा, अनिल दुबे, पिन्टू तिवारी, राकेश श्रीवास्तव, प्रमोद पाण्डेय, अभिषेक कुमार, अरविन्द पाल ने किया। पूर्व सांसद ने पुष्प वर्षा कर कार्यकर्ता और मतदाताओ का अभिवादन किया।

पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा कि हमारा अगला लक्ष्य 2027 है, हम सभी को अब उसी ओर देखना है। भाजपा के किसी कार्यकर्ता को हतास नही होना है, भाजपाई कभी हारते नही, हम जीतते है या सीखते है। पूर्व सांसद ने कहा मतदाताओं ने बहुत ही बढ़–चढ़कर भाजपा के सम्मान में वोट किया। सभी मतदाता बंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता अपने संघर्ष एवं कड़े परिश्रम से विगत लोकसभा चुनाव में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है इसके साथ ही हर वह मतदाता जिन्होंने अपना बहुमूल्य वोट देकर देश को सशक्त बनाने की दिशा में अपना योगदान दिया है वह अभिनंदन के पात्र है। यह कार्यकम आपको समर्पित है देश के करोड़ों देवतुल्य मतदाताओं के आशीर्वाद से देश में लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा–एनडीए की सरकार बनी है। मैं आज यहाँ सभी उपस्थित मतदाता बंधुओ का अभिनंदन करते हुए यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस विजय की हार्दिक बधाई देता हूँ। कहा भारत की जनता ने पिछले 10 वर्षों के हमारी सरकार के ट्रैक रिकॉर्ड पर भरोसा जताया है और हमें तीसरी बार सुशासन जारी रखने का अवसर दिया है। जनता ने देखा है कि गरीबों के कल्याण के लिए हमारी सरकार ने जिस समर्पण– भाव से जनसेवा ही प्रथम सेवा इस मंत्र को कृतार्थ करते हुए, हमारी सरकार ने जो कार्य किया है उसके कारण 10 साल में 25 करोड़ गरीब गरीबी से बाहर निकले हैं। देश की आजादी के कालखंड में इतने कम समय में, इतने लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का ये सफल प्रयास इस चुनाव में हमारे लिए आशीर्वाद का कारण बना है।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा मैं सभी देवतुल्य कार्यकर्ताओं एवम मतदाता बंधुओं का आभार करता हूं जो कि इन्होंने इतनी कठिन परिश्रम से इतनी कड़ी धूप में संगठन को आगे ले जाने की गति दी, सभी को धन्यवाद प्रणाम एवं आभार।

कार्यक्रम का संचालन अमृत कुमार वर्मा ने किया।इस मौके पर पवन कसौधन, चन्द्र शेखर मुन्ना, राम चरन चौधरी, रोली सिंह, सुमन सिंह, जगदीश शुक्ल, प्रत्युष विक्रम सिंह, दिलीप पाण्डेय, गजेन्द्र सिंह, रघुनाथ सिंह, रवि चन्द्र पाण्डेय, विष्णु शुक्ल, अंकित पाण्डेय, महंत पाल, दुर्गेश अग्रहरी, विवेकानन्द शुक्ल, प्रेम प्रकाश चौधरी, ब्रह्म देव यादव देवा, परमानन्द सिंह, दिलीप भट्ट, इन्द्रजीत चौहान, सर्वजीत भारती, मनमोहन श्रीवास्तव काजू, ममता सिंह, अभिनव उपाध्याय, सुभाष श्रीवास्तव, परमेश्वर शुक्ल पप्पू आदि मौजूद रहे।

ऑन लाइन हाजिरी के विरोध में 15 संगठनों ने बनाया प्रदेश स्तरीय संयुक्त मोर्चा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । शनिवार को शिक्षक, शिक्षा मित्र, अनुदेशक कर्मचारी संयुक्त मोर्चा का गठन प्रदेश नेतृत्व के दिशा निर्देश के अनुरूप किया गया। मोर्चा की पहली बैठक प्रेस क्लब सभागार में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें सर्व सम्मत से पदाधिकारियो का चुनाव किया गया। मोर्चा में 15 शिक्षक संगठन शामिल हैं।

-बस्ती के संयोजक, सह संयोजक घोषितः प्रदर्शन ज्ञापन 15 को
-शिक्षक पर अनावश्यक दबाव न बनाये अधिकारी-उदयशंकर शुक्ल

शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने बताया कि शिक्षक समस्याओं के समाधान हेतु मोर्चा का गठन किया गया है। बैठक में मोर्चा के संयोजक मण्डल में प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल, अटेवा जिलाध्यक्ष तौव्वाब अली, जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष विष्णुदत्त शुक्ल, टीएससीटी जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार ओझा, आदर्श शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन जिलाध्यक्ष राम पराग चौधरी, प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र शुक्ल, परिषदीय अनुदेशक संघ जिलाध्यक्ष प्रमोद पाण्डेय, पूर्व माध्यमिक अनुदेशक कल्याण समिति जिलाध्यक्ष अमित सिंह और सह संयोजक मण्डल में प्राथमिक शिक्षक संघ जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, अटेवा के जिला मंत्री विजयनाथ तिवारी, जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के जिला मंत्री लालजी पाठक, टी.एस.सी.टी. के जिला प्रवक्ता राजेश कुमार, आदर्श शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन के जिला मंत्री अनिल कुमार द्विवेदी, परिषदीय अनुदेशक संघ के जिला मंत्री रमाकान्त चौधरी, प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ जिला मंत्री दिनेश उपाध्याय, पूर्व माध्यमिक अनुदेशक कल्याण समिति जिला कोषाध्यक्ष मयंक श्रीवास्तव तथा मोर्चे के जिला कोषाध्यक्ष का दायित्व विजय प्रकाश चौधरी को सौंपा गया। इसके अतिरिक्त मोर्चे के जिला कार्य समिति सदस्य के रूप में अभय सिंह यादव, शैल शुक्ल, सच्चिदानन्द शुक्ल, चौधरी रूद्र प्रताप सिंह, अमरेश कुमार यादव को शामिल किया गया है।

मोर्चा के संयोजक मण्डल सदस्य उदयशंकर शुक्ल ने बताया कि इस संगठन में उत्तर शैक्षिक महासंघ, प्रदेश महिला शिक्षक संघ, विशिष्टि बी.टी.सी. शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन, यूटा, उत्तर प्रदेशीय बी.टी.सी. शिक्षक संघ, अर्न्तजनदीय शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन, बेसिक शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश अनुदेशक शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन, आश्रित कर्मचारी कल्याण संघ सहित 15 संगठन संयुक्त रूप से शिक्षक हितों के लिये संघर्ष करेंगे । आवाहन किया गया कि अन्य संगठन भी मोर्चे में शामिल हो।

मोर्चे की बैठक में निर्णय लिया गया कि 15 जुलाई को प्रेस क्लब सभागार में दिन में 2.15 बजे से बैठक के बाद प्रदर्शन करते हुये मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा जायेगा। इसके बाद मोर्चे की बैठक ब्लाक स्तर पर होगी जिसका कार्यक्रम शीघ्र जारी किया जायेगा। शिक्षक नेता उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि शिक्षक ऑन लाइन प्लेटफार्म और टेबलेट पर कोई कार्य नहीं करेंगे। शिक्षक निर्भर रहे। यदि कोई अधिकारी शिक्षकों पर दबाव बनायेंगे तो उनके विरूद्ध भी मोर्चा आन्दोलन करेगा।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 14 जुलाई 2024 रविवार

सम्पादकीय

नेपाल की उथल पुथल

नेपाल में नए गठबंधन का लक्ष्य देश के राजनीतिक परिदृश्य को नया आकार देना और लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण संवैधानिक सुधार पेश करना है। 13 जुलाई शुक्रवार को, प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने विश्वास मत खो दिया क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री के. पी. ओली की यू.एम.एल. ने वामपंथी गठबंधन से समर्थन वापस ले लिया था। इसके साथ ही प्रचंड की सरकार गिर गई और उन्होंने पी.एम. पद से इस्तीफा दे दिया। पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की नेपाली कांग्रेस (एन.सी.) और ओली की यू.एम.एल. (सबसे बड़ी और दूसरी सबसे बड़ी पार्टियां) के बीच पिछले सोमवार को आधी रात को 7–सूत्रीय समझौता हुआ, जो दिसंबर 2022 के बाद से चौथी सरकार बनाएगा, जो तीसरी सबसे बड़ी पार्टी सी.पी.एन. माओवादियों की किंग–मेकर भूमिका को समाप्त करेगी। सौदे से एक दिन पहले भूटानी शरणार्थी घोटाले से जुड़े बेचैन झा की गिरफ्तारी, जिसके निशान एन.सी. और यू.एम.एल. के शीर्ष नेताओं तक पहुंचते हैं, ने इस सौदे को गति दी। गृह मंत्री रबी लामिछाने, जिन्हें एन.सी. ने पोखरा सहकारी धोखाधड़ी मामले में संसद में निशाना बनाया था और यू.एम.एल. ने उनका बचाव किया था, ने इस सौदे को भ्रष्टाचार के मामलों से बचने के लिए ओली और देउबा की कोशिश कहा। काठमांडू के मेयर बालन शाह ने गिरिबंधु चाय बागान भ्रष्टाचार मामले के बारे में व्यंग्यात्मक टिप्पणी की।

7–सूत्री सौदा अनिवार्य रूप से संसद के शेष 40 महीनों के दौरान सत्ता–सांझाकरण के बारे में है, जिसमें देउबा ने ओली को पहला प्रधानमंत्री देने की पेशकश की है क्योंकि वह 2027 के चुनावों से पहले प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं। वे यू.एम.एल. के साथ सांझा किए जाने वाले मंत्रालयों की संख्या पर सहमत हो गए हैं, जबकि एन.सी. को वित्त और गृह मंत्रालय दिया जाएगा।

एन.सी. और यू.एम.एल. अलग–अलग विचारधाराओं वाले कट्टर दुश्मन हैं। उनके दोनों नेताओं को व्यापक अनुभव है और वे जेल में भी रहे हैं। देउबा 5 बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं, जबकि ओली 2 बार नेपाल का नेतृत्व कर चुके हैं। देउबा को भारत का चहेता माना जाता है और पश्चिम उन्हें पसंद करता है, जबकि ओली चीन के पसंदीदा हैं, हालांकि वे कट्टर कम्युनिस्ट नहीं हैं, बल्कि दिल से लोकतांत्रिक हैं। 2008 में अंतरिम संविधान के तहत पहले बहुदलीय चुनावों के बाद से नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है। 2015 के संधीय, लोकतांत्रिक गणतंत्र संविधान के बाद भी 16 वर्षों में 16 प्रधानमंत्रियों ने कुर्सी का खेल खेला है।

चुनावी प्रणाली एक त्रिशंकु संसद बनाती है। इस बीमारी को दूर करना राष्ट्रीय सर्वसम्मति सरकार का उद्देश्य है, जिसके लिए 275 सदस्यों वाले सदन में 184 सीटों के 2 तिहाई बहुमत से संविधान में बदलाव करना है। 10 साल तक चले जनयुद्ध का नेतृत्व करने वाले और परिवर्तनकारी संवैधानिक सुधारों को पेश करने में मदद करने वाले प्रचंड कोई नौसिखिए नहीं हैं। उन्हें सत्ता से प्यार है। अपनी पार्टी के घटते चुनावी आधार के बावजूद, वे सुर्खियों में बने रहने में कामयाब रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि चूंकि सरकार गठन संविधान के अनुच्छेद 76 (2) के तहत था, इसलिए राष्ट्रपति रामचंद्र पौडयाल अनुच्छेद 76 (3) का इस्तेमाल करके सबसे बड़ी पार्टी के नेता देउबा को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगे, जिससे ओली को प्रधानमंत्री पद से वंचित होना पड़ेगा।

प्रचंड और एक अन्य पूर्व प्रधानमंत्री माधव नेपाल, जो पहले यू.एम.एल. में थे, दोनों ओली से नफरत करते हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देंगे कि वह फिर से प्रधानमंत्री न बनें। वरिष्ठ एन.सी. नेता शशांक कोईराला ने कहा है कि एन.सी.–यू.एम.एल. गठबंधन विपक्षी ताकतों को कमजोर करेगा। एक अन्य एन.सी. शीर्ष नेता शेखर कोईराला ने कहा कि सरकार गठन कानूनी तौर पर 76 (3) की ओर जा सकता है न कि 76 (2) की ओर। यह आधी रात के सौदे को बर्बाद कर देगा और यह सुनिश्चित करेगा कि देउबा पहले प्रधानमंत्री होंगे और प्रचंड उन्हें शेष पूरी अवधि के लिए प्रधानमंत्री पद देने के लिए तैयार हैं। यह एन.सी. सी.पी.एन. (एम) और छोटी पार्टियों के लोकतांत्रिक गठबंधन को बहाल करेगा, जिन्होंने मार्च तक एक साल तक शासन किया था।

चूंकि पौडयाल सी.पी.एन.(एम) द्वारा समर्थित एन.सी. द्वारा नियुक्त व्यक्ति हैं, इसलिए उनसे 76(2) को दरकिनार करते हुए 76(3) का पालन करने के लिए आसानी से कहा जा सकता है। एन.सी. में कई लोग इस सौदे से नाखुश हैं। न तो चीन और न ही भारत ने प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार के आसन्न पतन पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है, हालांकि काठमांडू बाजार में खबर है कि भारत चीन से प्रेरित वामपंथी गठबंधन सरकार से खुश नहीं था। वामपंथी गठबंधन के अल्पकालिक अस्तित्व से चीनी निराश होंगे और इसके लिए भारत को दोषी ठहराएंगे। वैसे नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता शुभ संकेत नहीं है।

अमेरिकी राजनीति में भारी पड़ते बुजुर्ग नेता

–नीरज कुमार दुबे–

दुनिया भर में इस समय जो बहस चल रही है वह यह है कि दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र में क्या कोई युवा राष्ट्रपति पद के योग्य नहीं है? हम आपको बता दें कि बात सिर्फ बाइडन की ही नहीं है क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप भी उम्रदराज हैं। इस साल अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। माना जा रहा है कि वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन का मुकाबला उनके पुराने प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप से होगा। लेकिन जिस तरह बाइडन के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर तमाम तरह की खबरें आ रही हैं उससे उनका चुनाव लड़ना संदिग्ध लग रहा है। हालांकि बाइडन अड़े हैं कि वह राष्ट्रपति का चुनाव लड़ेंगे और एक बार फिर ट्रंप को हरा कर दिखाएंगे लेकिन अब उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी भी इस पक्ष में दिख रही है कि बाइडन राष्ट्रपति की रेस से बाहर हो जायें। हाल में आयोजित बहस के दौरान ट्रंप से मुकाबला करते हुए बाइडन पिछड़ गये थे उसको देखते हुए अमेरिका में यह भावना आ रही है कि किसी और को आगे किया जाये। देखना होगा कि

बाइडन की पार्टी का अंतिम निर्णय क्या होता है।

लेकिन दुनिया भर में इस समय जो बहस चल रही है वह यह है कि दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र में क्या कोई युवा राष्ट्रपति पद के योग्य नहीं है? हम आपको बता दें कि बात सिर्फ बाइडन की ही नहीं है क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप भी उम्रदराज हैं। इसलिए सवाल उठ रहा है कि क्यों किसी युवा को आगे नहीं किया जाता? वैसे हम आपको बता दें कि ऐसा नहीं है कि अमेरिका में सिर्फ राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ही बूढ़े हैं। अगर आप अमेरिकी संसद यानि कांग्रेस पर नजर डालेंगे तो पाएंगे कि उसके लगभग 20: सदस्य 70 या उससे अधिक उम्र के हैं, जबकि लगभग 6: सदस्य 40 से कम उम्र के हैं। कई हाई–प्रोफाइल अमेरिकी राजनेताओं की उम्र 80 के करीब या उससे अधिक है, जिसमें दोनों पार्टियों के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार भी शामिल हैं। सवाल उठता है कि अमेरिकी राजनीति में उम्रदराज लोगों का ही बोलबाला क्यों है? सवाल यह भी उठता है कि अमेरिकी कांग्रेस में युवा पीढ़ी का प्रतिनिधित्व इतना कम क्यों है? देखा जाये तो ऐसा प्रतीत होता है कि अमेरिकी राजनीतिक प्रणाली युवाओं के लिए बनाई ही नहीं गयी है।

अगर कोई युवा अमेरिकी कांग्रेस का चुनाव लड़ना चाहता है तो उसके पास सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वह भारी भरकम खर्च का जुगाड़ कैसे करेगा? जबकि उम्रदराज और पहले से राजनीति कर रहे नेताओं के पास अपना अच्छा नेटवर्क होता है जिसके चलते वह अपने लिए चुनाव अभियान आसानी से चला सकते हैं और चुनाव में खर्च के लिए अच्छा खासा फंड भी एकत्रित कर लेते हैं। हम आपको बता दें कि अमेरिकी राजनीति में शानदार चुनाव अभियान बहुत मायने रखते हैं। दूसरी ओर युवाओं के लिए राजनीति में आने का मतलब है कामकाज से कम से कम एक साल की छुट्टी। यदि कोई पहले से ही अमीर है, तो चुनाव लड़ना उसके लिए कोई बड़ी बात नहीं होती, यदि उसके पास अच्छी खासी बचत है तब भी वह अपना काम चलाते हुए अपने चुनाव अभियान को आगे बढ़ा लेता है लेकिन अगर किसी के पास धन नहीं है तो उसे कोई नहीं पूछता। इसीलिए युवा अमेरिकी कांग्रेस तक पहुंचने की दौड़ में शामिल नहीं हो पाते।

इसके अलावा, संभावित युवा उम्मीदवारों को पैसे के अलावा समय की भी कमी का सामना करना पड़ता है। युवाओं के लिए स्थिर कॅरियर, परिवार शुरू करना और आर्थिक सुरक्षा प्राथमिकता होते हैं। जबकि उम्रदराज लोगों के पास समय भी होता है और आर्थिक सुरक्षा भी होती है तथा अनुभव भी होता है इसलिए वह युवाओं पर भारी पड़ते हैं। साथ ही कांग्रेस तक पहुंचने में रुचि रखने वाले बुजुर्ग अमेरिकियों को कुछ प्रमुख चुनावी लाभ भी मिलते हैं। जैसे अमेरिकी जनता का अक्सर यह मानना रहा है कि पुरानी पीढ़ी के लोग युवाओं की अपेक्षा ज्यादा गुणवत्ता वाला काम करते हैं। अमेरिकी मतदाता यह भी मानते हैं कि चूंकि उनका देश ही एक तरह से विश्व भर के मामलों में निर्णायक भूमिका निभाता है इसलिए सर्वोच्च पद पर किसी अनुभवी व्यक्ति का बैठना जरूरी है। साथ ही, अमेरिकी राजनीति में एक चीज और देखने को मिलती है कि कांग्रेस के लगभग सभी सदस्य जो पुनः चुनाव लड़ते हैं, वह अंततः जीत जाते हैं। इससे प्रदर्शित होता है कि अमेरिका में कार्य अनुभव काफी मायने रखता है। इसलिए कहा जा सकता है कि अमेरिका की केंद्रीय राजनीति उम्रदराज लोगों के इर्दगिर्द ही घूमती रहेगी।

बढ़ती जनसंख्या, घटते संसाधन

– ललित गर्ग–

प्रतिवर्ष विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई को मनाया जाता है, यह दिवस 11 जुलाई, 1987 से मनाया जाता है, जब दुनिया की आबादी 5 अरब हो गयी थी। यह दिवस जनसंख्या वृद्धि, इसके विकास एवं स्थिरता पर प्रभाव के जटिल मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समूची दुनिया को एकजुट करता है और आयोजनात्मकता से आगे बढ़कर वैश्विक जनसंख्या वृद्धि की चुनौतियों और अवसरों पर वैश्विक संवाद और कार्रवाई को उत्प्रेरित करता है। यह सतत और संतुलित भविष्य प्राप्त करने एवं शिक्षा, चिकित्सा, पर्यावरण के वैश्विक प्रयासों में योगदान देता है। वर्तमान में सम्पूर्ण विश्व की जनसंख्या आठ अरब 11 करोड़ 88 लाख के लगभग है जो वर्ष 2023 से 0.91 प्रतिशत के हिसाब से बढ़ी है। इसी अवधि में भारत की जनसंख्या एक अरब 44 करोड़ 17 लाख है जो वर्ष 2023 से 0.92 प्रतिशत के हिसाब से बढ़ी है। भारत जनसंख्या के हिसाब से चीन को पीछे छोड़ कर विश्व में पहले नंबर पर आ गया है। चीन की वर्तमान जनसंख्या 1 अरब 42 करोड़ 51 लाख है। जनसंख्या में वृद्धि संसाधनों और सेवाओं पर दबाव डालती है। जनसंख्या जिस तीव्र गति से बढ़ रही है, उस गति से आर्थिक विकास एवं अन्य विकास नहीं हो रहा है, जो एक गंभीर समस्या के रूप में बड़ी चुनौती है।

बात जब जनसंख्या वृद्धि की हो रही है तो दुनिया में भारत की बढ़ती जनसंख्या न केवल चौंका रही है, बल्कि एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आ रही है। भारत अब दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला मुल्क हो गया है, परेशानी में डालने वाली इस खबर के प्रति सचेत एवं सावधान होने के साथ सख्त जनसंख्या नियंत्रण नीति लागू करने की अपेक्षा है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत सन 2023 में ही चीन से ज्यादा आबादी वाला देश हो गया था। जबकि पहले यह अनुमान लगाया जा रहा था कि साल 2027 में भारत दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाला देश होगा। बढ़ती जनसंख्या की चिन्ता में डूबे भारत के लिये चार साल पहले ही दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश होना कोई गर्व की बात नहीं है। भारत के लिये बढ़ती आबादी एवं सिकुड़ते संसाधन एक त्रासदी है, एक विडम्बना है, एक अभिशाप है। क्योंकि जनसंख्या के अनुपात में संसाधनों की वृद्धि सीमित है। जनसंख्या वृद्धि ने कई चुनौतियों को जन्म दिया है किंतु इसके नियंत्रण के लिये कोई कानूनी तरीके को एक उपयुक्त कदम नहीं माना जा सकता।

इसके लिये सरकार को जनसंख्या पर तुरंत पारदर्शी एवं सख्त नियंत्रण के कदम उठाने के साथ, भारत के लिये प्रभावी जनसंख्या नीति को लागू करना, आम जनता की सोच एवं संस्कृति में बदलाव लाना होगा, लेकिन दुर्भाग्य से अभी कुछ हो ही नहीं रहा है।

पूरी दुनिया की आबादी में अकेले एशिया की 61 फीसदी हिस्सेदारी है। यह रिपोर्ट साफ इशारा करती है कि जहां कम आबादी है, वहां ज्यादा संपन्नता है। भारत में दिन–प्रतिदिन जनसंख्या विस्फोट हो रहा है, इसी से बेरोजगारी बढ़ रही है, महंगाई भी बढ़ने का कारण यही है, संसाधनों की किल्लत भी इसी से बनी हुई है। यही एक कारण भारत को दुनिया की महाशक्ति बनाने की सबसे बड़ी बाधा है। ऐसे में सबको नौकरी मिलना इतना आसान नहीं। इसलिए सरकार शीघ्र सुसंगत जनसंख्या नीति लागू करे। जिसको दिक्कत हो और ज्यादा बच्चे पैदा करके मनमानी करनी हो, उनके खिलाफ कानूनी सजा के प्रावधान किये जाये। यह एक अराष्ट्रीय सोच है कि अधिक बच्चे पैदा करके उनकी जिंदगी कष्ट में झोंकना। जब बच्चे को सुखी जिंदगी नहीं दे सकते, तो दूसरों के भरोसे उन्हें पैदा करने की प्रवृत्ति शर्मनाक है। यह देखने में आ रहा है कि आज के वैज्ञानिक युग में भी कुछ समुदाय बच्चे पैदा करने को लेकर रूढ़िवादी नजरिया अपनाए हुए हैं और उनकी प्रतिक्रिया में अन्य समुदायों के नेता भी ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करने की वकालत करने लगे हैं। यह बेहद खतरनाक स्थिति है। इस तरह जनसंख्या बढ़ोतरी की पैरोकारी करने वालों की निंदा की जानी चाहिए, चाहे वे किसी मजहब के हों। क्योंकि देश की तरक्की की सबसे बड़ी बाधा बढ़ती जनसंख्या ही है।

भारत में बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने में राजनीति एवं तथाकथित स्वार्थी राजनीतिक सोच बड़ी बाधा है। अधिकांश कट्टरवादी मुस्लिम समाज लोकतांत्रिक चुनावी व्यवस्था का अनुचित लाभ लेने के लिए अपने संख्या बल को बढ़ाने के लिये सर्वाधिक इच्छुक रहते हैं और इसके लिये कुछ राजनीतिक दल उन्हें प्रेरित भी करते हैं। ऐसे दलों ने ही उद्घोष दिया है कि "जिसकी जितनी संख्या भारी सियासत में उसकी उतनी हिस्सेदारी।" जनसंख्या के सरकारी आकड़ों से भी यह स्पष्ट होता रहा है कि हमारे देश में इस्लाम सबसे अधिक गति से बढ़ने वाला संप्रदाय–धर्म बना हुआ हैं। इसलिए यह अत्यधिक चिंता का विषय है कि ये कट्टरपंथी अपनी जनसंख्या को बढ़ा कर देश के लिये बड़ी समस्या खड़ी कर रहे हैं। सीमावर्ती प्रांतों जैसे पश्चिम बंगाल, आसाम, कश्मीर आदि में वाकायदा पडौसी देशों से मुस्लिमों की घुसपैठ कराई जाती है और उन्हें देश का नागरिक बना दिया जाता है, यह एक तरह का "जनसंख्या जिहाद" है क्योंकि इसके पीछे हुनका छिपा हुआ मुख्य ध्येय हैं कि धर्मनिरपेक्ष भारत का इस्लामीकरण किया जाये।

हमारी जनसंख्या नियंत्रण संबंधी नीतियां बहुत उदार रही है, जिसकी वजह से हम आबादी बढ़ने की रफ्तार को जरूरत के हिसाब से थाम नहीं पाए। चीन ने साल 1979 में ही एक संतान नीति को पूरी कड़ाई से लागू कर दिया था, इसका नतीजा हुआ कि उसे आबादी की रफ्तार रोकने में कामयाबी मिली। ध्यान देने की जरूरत है कि साल 1800 में भारत की जनसंख्या लगभग 16.90 करोड़ थी। चीन आबादी के मामले में कभी भारत से लगभग दोगुना था। 1950 के बाद दोनों देशों की आबादी तेजी से बढ़ने लगी। साल 1980 में चीन एक अरब जनसंख्या तक पहुंच गया। इसके ठीक एक वर्ष पहले वहां एक संतान की नीति लागू हुई थी। भारत साल 2000 में एक अरब के आंकड़े के पार पहुंचा और अब चीन से आगे निकल गया है। चीन एक संतान की नीति को 2016 में वापस ले चुका है, लेकिन इसके बावजूद वहां आबादी पर नियंत्रण है, क्योंकि वहां की राष्ट्रीय भावना, संस्कृति और सोच, दोनों में बदलाव आ चुका है। लेकिन भारत में ऐसा न होने का कारण राजनीति एवं उसके द्वारा पोषित मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति है। इसके वितरीत विभिन्न मुस्लिम देश टर्की, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया, मिस्र, सीरिया, ईरान, यू.ए. ई., सऊदी अरब व बांग्लादेश आदि ने भी कुरान, हदीस, शरीयत आदि के कठोर रुढ़ीवादी नियमों के उपरांत भी अपने–अपने देशों में जनसंख्या वृद्धि दर नियंत्रित करने के कठोर उपक्रम किये हैं।

भारत की स्थिति चीन से पृथक है तथा चीन के विपरीत भारत एक लोकतांत्रिक देश है जहाँ हर किसी को अपने व्यक्तिगत जीवन के विषय में निर्णय लेने का अधिकार है। भारत में कानून का सहारा लेने के बजाय जागरूकता अभियान, शिक्षा के स्तर को बढ़ाकर तथा गरीबी को समाप्त करने जैसे उपाय करके जनसंख्या नियंत्रण के लिये प्रयास होने चाहिये। परिवार नियोजन से जुड़े परिवारों को आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाना चाहिये तथा ऐसे परिवार जिन्होंने परिवार नियोजन को नहीं अपनाया है उन्हें विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से परिवार नियोजन हेतु प्रेरित करना चाहिये। बेहतर तो यह होगा कि शादी की उम्र बढ़ाई जाए, स्त्री–शिक्षा को अधिक आकर्षक बनाया जाए, परिवार–नियंत्रण के साधनों को मुफ्त में वितरित किया जाए, संयम को महिमा–मंडित किया जाए और छोटे परिवारों के लाभों को प्रचारित किया जाए। शारीरिक और बौद्धिक श्रम के फासलों को कम किया जाए। जनसंख्या दिवस पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिल्कुल सही कहा है कि जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रयासों से सभी मत, मजहब, वर्ग को समान रूप से जोड़ा जाना चाहिए। अनियंत्रित जनसंख्या भी अघोषित आतंकवाद एवं जिहादी मानसिकता की वकालत करने लगे हैं। यह बेहद खतरनाक स्थिति है। इस तरह जनसंख्या बढ़ोतरी की पैरोकारी करने वालों की निंदा की जानी चाहिए, चाहे वे किसी मजहब के हों। क्योंकि देश की तरक्की की सबसे बड़ी बाधा बढ़ती जनसंख्या ही है।

भारत में बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने में राजनीति एवं तथाकथित स्वार्थी राजनीतिक सोच बड़ी बाधा है। अधिकांश कट्टरवादी मुस्लिम समाज लोकतांत्रिक चुनावी व्यवस्था का अनुचित लाभ लेने के लिए अपने संख्या बल को बढ़ाने के लिये सर्वाधिक इच्छुक रहते हैं और इसके लिये कुछ राजनीतिक दल उन्हें प्रेरित भी करते हैं। ऐसे दलों ने ही उद्घोष दिया है कि "जिसकी जितनी संख्या भारी सियासत में उसकी उतनी हिस्सेदारी।" जनसंख्या के सरकारी आकड़ों से भी यह स्पष्ट होता रहा है कि हमारे देश में इस्लाम सबसे अधिक गति से बढ़ने वाला संप्रदाय–धर्म बना हुआ हैं। इसलिए यह अत्यधिक चिंता का विषय है कि ये कट्टरपंथी अपनी जनसंख्या को बढ़ा कर देश के लिये बड़ी समस्या खड़ी कर रहे हैं। सीमावर्ती प्रांतों जैसे पश्चिम बंगाल, आसाम, कश्मीर आदि में वाकायदा पडौसी देशों से मुस्लिमों की घुसपैठ कराई जाती है और उन्हें देश का नागरिक बना दिया जाता है, यह एक तरह का "जनसंख्या जिहाद" है क्योंकि इसके पीछे हुनका छिपा हुआ मुख्य ध्येय हैं कि धर्मनिरपेक्ष भारत का इस्लामीकरण किया जाये।

भिक्षावृत्ति मुक्त भारत बनाने की चुनौतियां

–हेमलता म्हस्के–

अब देश में भीख मांगने पर रोक लगेगी क्योंकि उनके संरक्षण और पुनर्वास के लिए कोशिश होगी। देश में भिक्षावृत्ति बढ़ती जा रही है और रोकने की कोई ठोस पहल नहीं हुई है। हालांकि, भिक्षावृत्ति के खिलाफ कुछ राज्यों में कानून भी बने हैं लेकिन वे इसे रोक पाने में सक्षम नहीं हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने केंद्र और राज्य सरकारों को भिखारियों की स्थिति में सुधार व पुनर्वास की सिफारिश की है।

आयोग के महासचिव भरत लाल ने कहा है कि भिक्षा में लगे लोगों की मौजूदगी कमजोर समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों को दर्शाती हैं। भिक्षावृत्ति का कारण सिर्फ गरीबी नहीं है बल्कि यह एक सामाजिक और आर्थिक समस्या है जहां शिक्षा और रोजगार से वंचित लोग अपनी आजीविका के लिए भीख मांगने को मजबूर होते हैं। शहरों में धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर भीख मांगने वालों में ज्यादातर महिलाएं, बच्चे, किन्नर, बुजुर्ग और दिव्यांग होते हैं। देश में भीख मांगना एक अहम सामाजिक समस्या रही है, जिसके पीछे गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता और दिव्यांगता आदि वजहें हैं।

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, जहां देश में करीब चार लाख से अधिक लोग भिक्षावृत्ति से जुड़े हुए थे। फिलहाल उनकी संख्या बढ़कर करीब 7 लाख पहुंचने का अनुमान है। भिखारियों की संख्या बढ़ने का यह अनुमान केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से शहरों को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने को लेकर शुरू किए गए अभियान के दौरान लगा है। शहरों में इस अभियान को शुरू करने से पहले इनका सर्वे कराया गया था। हालांकि, यह योजना मौजूदा समय में करीब 30 शहरों में ही चलाई जा रही है जिसका लक्ष्य 2026 तक भिक्षावृत्ति मुक्त भारत बनाने का है।

भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने आठ प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। सिफारिश के मुताबिक केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय को नगर निगमों और सरकारी एजेंसियों की सहायता से भिक्षावृत्ति में लगे लोगों का एक केंद्रीकृत डेटाबेस बनाने की सलाह दी गई है। आयोग ने भीख मांगने में लगे लोगों के संरक्षण और पुनर्वास पर एक राष्ट्रीय नीति का मसौदा तैयार करने की सिफारिश की है, ताकि लक्षित वित्तीय सहायता, व्यावसायिक प्रशिक्षण, गरीबी उन्मूलन और निरंतर निगरानी और पर्यवेक्षण के साथ रोजगार के अवसरों सहित उनके लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाकर कार्यान्वित किया जा सके। आयोग ने कहा है कि सामाजिक सुरक्षा हेतु डिजिटल–प्रिंट मीडिया में जागरूकता अभियान शुरू कर संगठितध्जबरन भीख मांगने की समस्या को सभी रूपों में समाप्त किया जाए।

आयोग ने कहा है कि संगठित समूह अक्सर कमजोर बच्चों को भीख मांगने के लिए बाध्य करते हैं। कुछ मामलों में बच्चों को भीख के लिये मजबूर करने हेतु उनका अपहरण तक कर लिया जाता है। जबरन भीख मांगने के किसी भी रैकेट पर अंकुश लगाने के लिए मानव व्यापार विरोधी कानून बनाने के लिए एक समाजशास्त्रीय और प्रभावी आर्थिक मूल्यांकन जरूरी है। इस कानून में अपराधियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित हो।

आयोग ने इस समस्या के समग्र समाधान हेतु सामाजिक कल्याण हस्तक्षेप, बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच, अधिकारों की रक्षा और उन्हें समाज में फिर से शामिल करने में मदद हेतु मजबूत कानूनी ढांचा बनाने की जरूरत बताई है। आयोग ने कहा है कि भीख मांगने के कारणों को सामने लाने के लिए भिखारियों के सर्वेक्षण, पहचान, मानचित्रण और डेटा बैंक तैयार करना, भिक्षावृत्ति में लगे लोगों का पुनर्वास, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कानूनी और नीतिगत ढांचा, गैर–सरकारी संगठनों, नागरिक समाज संगठनों, निजी क्षेत्र, धर्मार्थ ट्रस्टों आदि के साथ सहयोग, वित्तीय सेवाओं तक पहुंच, जागरूकता पैदा करना, संवेदीकरण व निगरानी की जाए।

आयोग का कहना कि भिक्षावृत्ति में लिप्त लोगों की पहचान प्रक्रिया पूरी होने के बाद, उन्हें शहरों या जिलों में स्थित आश्रय गृहों में लाया जाए। उन्हें निवासियों के रूप में पंजीकृत किया जाए तथा राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों या अधिकृत एजेंसियों में संबंधित विभागों/ नगरपालिकाओं/ ग्राम पंचायतों द्वारा पहचान पत्र जारी किए जाएंय आश्रय गृह उन्हें उचित आवास और भोजन की सुविधा, कपड़े, स्वास्थ्य सेवा, आधार कार्ड, राशन कार्ड और बैंक खाते खोलने में सहायता सहित अन्य जरूरी सेवाएं मुहैया करे। सुनिश्चित करें कि भिक्षावृत्ति में लगे लोगों के पुनर्वास की प्रक्रिया हेतु मानसिक स्वास्थ्य परामर्श, नशामुक्ति और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करें।

करंट से संविदा कर्मी लाइन मैन की मौत

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा कस्बे के वार्ड नंबर 8 मधुबन नगर नौतनवा में शनिवार को बिजली फाल्ट ठीक करते समय करंट की चपेट में आने से लाइन मैन की मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेज दिया। जानकारी के मुताबिक, परसा मलिक थाना क्षेत्र के सिरसिया खास टोला इमलिहवा निवासी दिनेश मौर्या 40 वर्ष विद्युत वितरण उप खंड नौतनवा में संविदा पर लाइन मैन थे। शनिवार को दोपहर बाद लगभग तीन बजे नौतनवा वार्ड नंबर 8 मधुबन नगर नौतनवा में शटडाउन लेकर लाइन ठीक कर रहे थे कि अचानक करंट की चपेट में आ गए, जिससे वह पोल से नीचे गिर गए।

जानकारी मिलते मौके पर पहुंचे आसपास के लोगों ने तत्काल इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी अनीता दहाड़े मार रोते हुए अचेत हो जा रही थी। जानकारी मिलते ही मौके पर जेई संजीत कुमार तथा विद्युत कर्मी पहुंच गए। जेई संजीत कुमार ने बताया कि मृतक दिनेश संविदा पर लाइन मैन थे। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार राय ने बताया कि मृतक की पत्नी अनीता की तहरीर पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

डीएम व एसपी ने भिनगा नगर में किया फ्लैग मार्च

संवाददाता–श्रावस्ती। मोहर्रम का त्योहार शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए जाने को लेकर प्रशासन अलर्ट हो गया है। थानों व पुलिस चौकियों में पीस कमेटी की बैठक की जा रही है। साथ ही फ्लैग मार्च कर लोगों को सुरक्षा का एहसास दिलाया जा रहा है। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने शनिवार को पुलिस फोर्स के साथ भिनगा नगर में फ्लैग मार्च की सुरक्षा का एहसास कराया। इस दौरान नई बाजार व पुरानी बाजार का पैदल ही भ्रमण किया। इस दौरान लोगों से संवाद कर कानून व्यवस्था बना रखने की अपील की। साथ ही मोहर्रम त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने से कहा। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की यदि आशंका हो तो तत्काल अपने क्षेत्र के थानाध्यक्ष व उपजिला मजिस्ट्रेट को सूचित करें। अमन–चैन में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न करने वाले अराजक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि शान्ति व्यवस्था में विघ्न उत्पन्न करने वालों पर पुलिस की ओर से पैनी नजर रखी जा रही। कोई भी गड़बड़ी करते पाया गया तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर यदि ऐसा पोस्ट डाला गया जिससे माहौल खराब होने की संभावना बनी तो संबंधित को जेल भेजा जाएगा। इस मौके पर पुलिस क्षेत्राधिकारी भिनगा अतुल कुमार चौबे आदि मौजूद रहे।

खेत की रखवाली कर रहे अधेड़ की धारदार हथियार से वार कर हत्या, बेटे ने मां पर लगाया आरोप

संवाददाता–बहराइच। खेत की रखवाली कर रहे अधेड़ की हमलावरों ने धारदार हथियार से नृशंस हत्या कर दी। शनिवार सुबह बेटा खेत पर पहुंचा तो रक्त रंजित पिता को वाहन से शिवपुर पीएचसी लाए। डॉक्टरों ने परीक्षण कर उसे मृत घोषित कर दिया। हत्या के पीछे दस साल पहले पति को छोड़कर बहनोई के साथ रह रही महिला के शह पर तीन लोगों को नामजद कर हत्या की तहरीर दी गई है। फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल व पीएचसी में नमूने लिए हैं।

खैरीघाट थाने के लौकिहा के मजरे कोरियनपुरवा निवासी 65 वर्षीय घसीटे पुत्र रतन शुक्रवार रात गांव के बाहर खेत में लगाई गई धान की नर्सरी की रखवाली को गया था। सुबह घर पर जब वह नहीं पहुंचा, तो बेटा सतीश खेत पर गया। वहां रक्त रंजित हालत में खून से लथपथ घसीटे को पड़ा पाकर सतीश वाहन से उसे शिवपुर पीएचसी लाया। चिकित्सकों ने परीक्षण कर उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के सिर, चेहरे, गर्दन और शरीर पर धारदार हथियार के निशान पाए गए हैं। हत्या रात 12रू30 बजे के बाद किए जाने की आशंका जताई गई है।

घसीटे की पत्नी मीना लगभग दस वर्ष पूर्व पति को छोड़कर अपने बहनोई के साथ रह रही थी। घसीटे से आधी संपत्ति लिए जाने को लेकर रंजिश की बुनियाद पड़ी थी। बेटे सतीश ने मां मीना की शह पर तीन व्यक्तियों के मदद से पिता की हत्या की तहरीर पुलिस को दी गई है। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि तहकीकात की जा रही है।

सेवा के लिए आर्थोपेडिक क्लीनिक चिकित्सा परामर्श केन्द्र शुभारंभ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्रीधाम अयोध्या के 4, रोहिणी कालोनी, साहबगंज में अस्थि रोगियों के सेवा के लिए अयोध्या के मेयर तीन कलसा तिवारी मंदिर के महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने आर्थोपेडिक क्लीनिक चिकित्सा परामर्श केन्द्र शुभारंभ शनिवार को किया। महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने बताया कि अयोध्या महानगर में डॉ अविनाश द्विवेदी एमबीबीएस एमएस ऑर्थो जनरल फिजिशियन एवं आस्था रोग विशेषज्ञ द्वारा अस्थि रोगियों की सेवा करेंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में प्रदूषण और खान–पान के कारण हड्डियां कमजोर हो रही है जिसमें यह क्लीनिक रोगी रोगियों के मदद के लिए हमेशा तैयार रहेगा। डॉ अविनाश द्विवेदी ने बताया कि अयोध्या धार्मिक नगरी है यहां लाखों की संख्या में प्रतिदिन श्रद्धालु आ रहे हैं और अयोध्या में आसपास के जिले के लोग भी जांच करने के लिए दावा करने के लिए आते हैं यही कारण है कि आर्थोपेडिक क्लीनिक चिकित्सा परामर्श केन्द्र शुभारंभ अयोध्या के मेयर द्वारा किए मैं यहां पर सभी की सेवा के लिए तत्पर रहूंगा अयोध्या में आने वाले मरीजों की सेवा में निरंतर श्री राम अस्पताल में करता हूं लेकिन उसके बाद जो समय मिलेगा इस क्लीनिक पर भी सेवा करता रहूंगा जिससे अधिक से अधिक लोगों की सेवा हो सके।

श्रीलीला बिहारी सरकार का मनाया गया पाटोत्सव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या श्रीधाम अयोध्या की सिद्धपीठ रामलीला निवास रामघाट में विराजमान भगवान श्रीलीला बिहारी सरकार का पाटोत्सव शनिवार को हर्ष और उल्लास संग मनाया गया। उत्सव पर मठ में दर्शन–पूजन का सिलसिला सुबह से शुरु होकर देरशाम तक चलता रहा। श्रीलीला बिहारी जू का दर्शन–पूजन कर साधु–संत, भक्तजनों ने अपना जीवन कृतार्थ किया। भगवान के प्राकट्य महोत्सव को श्रीरामलीला निवास के वर्तमान पीठाधीश्वर महंत चंद्रशेखर दास ने सानिध्यता प्रदान की। महोत्सव पर सुबह सबसे पहले गर्भगृह में विराजमान श्रीलीला बिहारी सरकार का वेद मंत्रोच्चारण संग पंचामृत, फलों का रस, सुगंधित औषधियों से अभिषेक किया गया। उसके बाद नया वस्त्र धारण कराकर भगवान का भव्य श्रृंगार हुआ। तत्पश्चात छप्पन भोग लगाकर दिव्य आरती उतारी। फिर प्राकट्योत्सव का प्रसाद संतों और भक्तजनों में वितरित किया गया। सभी ने बड़े ही श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर श्रीरामलीला निवास मंदिर के महंत चंद्रशेखर दास महाराज ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आषाढ़ शुक्ल सप्तमी तिथि पर मंदिर में विराजमान भगवान लीला बिहारी सरकार का पाटोत्सव विधि–विधान पूर्वक मनाया गया। विद्वान वैदिक आचार्यों ने प्राकट्योत्सव से संबंधित सभी धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया। सैंकड़ो वर्षो से ज्यादा समय से मंदिर श्रीलीला बिहारी जू का पाटोत्सव मनाया जा रहा है। उसी परिप्रेक्ष्य में इस बार भी प्राकट्योत्सव मना, जिसमें दूर–दराज से मठ से जुड़े हुए शिष्य–परिकर, अनुयायी सम्मिलित हुए। उन्होंने भगवान लीला बिहारी के प्रति अपनी आस्था, श्रद्धा निवेदित की। उत्सव पर रामनगरी के संत–महंत, धर्माचार्य आमंत्रित रहे, जिनका मठ के महंत ने स्वागत–सत्कार कर भेंट, विदाई दी। अंत में संतों ने भगवान के प्राकट्योत्सव का प्रसाद ग्रहण किया। पाटोत्सव पर जगतगुरु स्वामी परमहंसाचार्य, गुजरात से महंत नरोत्तम दास व शैलेश भाई, महंत अवधबिहारी दास, महंत अंजनी शरण, विवेक शास्त्री, स्वामी दिवाकराचार्य, महंत रामगिलन दास, अनिल वैदिक आदि संत–महंत, भक्तगण मौजूद रहे।

मौके पर जाकर करें शिकायतों का निस्तारण

संवाददाता–श्रावस्ती। सभी थानों में शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने थाना सिरसिया में आयोजित समाधान दिवस में जनसुनवाई की। उन्होंने लोगों की शिकायत सुनकर निस्तारण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि समाधान दिवस में आने वाले फरियादियों के साथ नम्र व्यवहार किया जाए और गम्भीरतापूर्वक उनकी समस्याओं को सुनकर निराकरण किया जाए। भूमि विवादों की शिकायतों से सूची बद्ध करें व राजस्व तथा पुलिस की ओर से मौके पर जाकर बिना पक्षपात के निस्तारण किया जाय। एसपी ने थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि शिकायत कर्ता की शिकायत का संज्ञान लेकर प्रकरण की जांच कर कार्रवाई करें।

22 बिन्दुओं पर परखी गई अस्पतालों की गुणवत्ता

संवाददाता–बलरामपुर। जिले के तीनों जिला अस्पतालों में कायाकल्प योजना के तहत विशेषज्ञों की टीम ने शनिवार को 22 बिन्दुओं पर गुणवत्ता को परखा। संयुक्त जिला चिकित्सालय में अयोध्या से आए कायाकल्प पीयर असस्मेंट के असेसर ने विधिवत निरीक्षण किया। यहां पर व्यवस्थाएं ठीक–ठाक मिलीं। इसी तरह से जिला मेमोरियल अस्पताल व जिला महिला अस्पताल की गुणवत्ता को भी देखा गया। टीम ने तीनों जिला अस्पतालों में संक्रमण के फैलाव, पानी की गुणवत्ता, बायोमेडिक वेस्ट व हैंड वासिंग के साथ–साथ चिकित्सकों के कार्य एवं उत्तरदायित्व के अलावा अभिलेखों के रख–रखाव का भी अवलोकन किया।

जिला मुख्यालय पर तीन जिला अस्पताल संयुक्त जिला अस्पताल, जिला मेमोरियल अस्पताल और जिला महिला अस्पताल संचालित हैं।

शनिवार को इन अस्पतालों में होने वाले कायाकल्प के पीयर असस्मेंट को लेकर पिछले कई दिनों से तैयारियां की जा रही थीं। संयुक्त जिला चिकित्सालय में अयोध्या से आए देवनाथ ने सभी 22 बिन्दुओं पर अस्पताल की गुणवत्ता को परखा। क्वालिटी एश्योरेंस सेल के तहत कराए गए कार्यों की जानकारी सीएमएस डा. राज कुमार व क्वालिटी प्रबंधक डॉ रुचि पाण्डेय से ली। क्वालिटी प्रबंधक ने बताया कि कायाकल्प असस्मेंट के दौरान सभी चिकित्सक व कर्मी अपने निर्धारित ड्रेस में अपनी ड्यूटी पर उपस्थित रहे। अस्पताल क्वालिटी प्रबंधक ने बताया कि इन्क्वास सर्टिफाई संयुक्त जिला चिकित्सालय में यह टीम साफ–सफाई, मरीजों को मिलने वाले सुविधाओं, बायोमेडिकल वेस्ट, संक्रमण के फैलाव को रोकने के उपाय, मेडिकल चेकअप, संसाधनों के सुदृढ़ीकरण, पेयजल की गुणवत्ता फार्मेसी आदि की जांच की गई। इसके अलावा अग्निशमन एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ओपीडी व ओटी सहित कुल 22 बिन्दुओं पर अस्पताल की गुणवत्ता को परखा गया। मरीजों को दिए जाने वाले खाने की गुणवत्ता को भी टीम ने चेक किया। इसी तरह से जिला मेमोरियल व जिला महिला अस्पताल में अलग–अलग टीमों ने गुणवत्ता और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

कांवरिया संघ ने एसडीएम को सम्बोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा

संवाददाता–बहराइच। श्री नव युवक कावरिया संघ नानपारा ने आगामी दिनों में सावन में शिव मंदिरों में जलाभिषेक करने को लेकर कांवरियों को अनेक समस्या का सामना करना पड़ेगा। समस्या के निराकरण को लेकर उपजिलाधिकारी नानपारा को सम्बोधित सात सूत्रीय ज्ञापन तहसीलदार नानपारा को सौंपा। ज्ञापन में तकिया घाट पर स्नान की उचित व्यवस्था महिला कांवरियों के सुरक्षा व्यवस्था तकिया घाट पर पक्की छावनी की व्यवस्था नानपारा इमामगंज चौराहे से पटेल नगर तक जर्जर मार्ग को सही कराए जाने सहित अन्य व्यवस्था कराए जाने की मांग की है। कांवरिया संघ के नगर अध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि मांग न पूरी होने पर इमामगंज चौराहे पर कांवरिया संघ की ओर से धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में बढ़ रहे हैं जमीनों और मंदिर कब्जे के मामले

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में मंदिरों के जमीनों को लेकर के विवाद बढ़ता जा रहा है आज एक मामला हनुमानगढ़ी का सामने आया। रामानुजदास चेला स्व० राम बरन दास निवासी पट्टी बसन्तिया हनुमानगढ़ी अयोध्या ने बताया कि मैं पट्टी बसन्तिया हनुमानगढ़ी का भजनानन्दी साधू हूँ। मैं काफी वृद्ध हूँ। वर्ष 2021 जब तक बहराइच का रहने वाले पवन मिश्रा शिक्षिण ग्रहण करने के लिये आया और स्थान पर रहने लगा। कुछ समय रहने पर वह मेरे स्थान की सम्पत्तियों की जानकारी अन्य लोगों से करने लगा। सम्पत्ति की लालच में योजनाबद्ध तरीके से माह अप्रैल, 2021 में मेरे सगे गूरूभाई कन्हैयादास की हत्या करा दिया और चुपके–चुपके स्थान की सम्पत्ति, जमीन अपने नाम कन्हैयादास का उत्तराधिकारी बनकर सरकारी अभिलेखों में दर्ज कराने लगा। उन्होंने बताया कि मेरी एक दुकान दन्तधावन कुण्ड तिराहे पर है, जिसे मेरे गुरूभाई कन्हैयादास ने किराये पर ओंकार नाथ तिवारी को दिया था, कन्हैयादास के मृत्यु के पश्चात् मैंने वृद्धावस्था व बीमारी के कारण दुकान का किराया प्राप्त करने के लिए पवन दास से कहा था और वह किराया ले रहा था, हनुमानगढ़ी से पवन दास को निष्कासित होने के पश्चात् मैं किरायेदार ओंकारनाथ तिवारी से प्रतिमाह किराया ले रहा हूँ। मैंने ओंकार नाथ तिवारी से नई किरायेदारी की लिखा–पढ़ी भी किया था। पवन दास ने गलत ढंग से रुपया हड़पने की नीयत से मेरी दुकान को स्वयं दुकान का मालिक बनकर दिनांक 04–06–2024 को कम्पनी सुख सागर हास्पिटीलिटी सर्विसेज के पक्ष में 60 लाख रुपये लेकर रजिस्टर्ड किरायेदारी पट्टा लिख दिया है, जबकि वह काफी पहले से हनुमानगढ़ी से निष्कासित है, उसे किरायेदारी लिखने का कोई विधिक अधिकार नहीं है। जबरन गुण्डई के बल पर किराये वाली दुकान पर दुकानदार ओंकारनाथ तिवारी को हटाकर उक्त कम्पनी को कब्जा दखल देना चाहता है। फर्जी तरीके से शस्त्र का लाइसेन्स ले रखा है, लगातार हमें व हमारे किरायेदार ओंकारनाथ तिवारी को जान से मार डालने की धमकी देता है। धन की लालच में पवन दास धोखे से मेरी हत्या करा देगा। ओंकारनाथ तिवारी ने बताया कि 2021 से मैं किराएदार हूं और 2022 में न्यायालय में भी मामला विचाराधीन है मुझे दुकान खाली करने के लिए धमकी दी जा रही है मैं किराया वर्तमान महंत को दे रहा हूं।

सावन से पहले मांस की बिक्री रुकवाए प्रशासन –शलभ मणि

संवाददाता–देवरिया। भाजपा विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने खुले में हो रही मांस की बिक्री को सावन से पहले बंद कराने के लिए डीएम को एक चिट्ठी लिखी है। विधायक ने डीएम को चिट्ठी लिखकर इसे बंद कराने को कहा है।

22 जुलाई से सावन का महीना शुरू हो रहा है। ऐसे में जगह–जगह कांवड़ यात्रा भी निकाली जाएगी। ऐसे में सड़क किनारे और खुले में हो रही मांस की बिक्री पर रोक लगाने के लिए हिंदू संगठन और भाजपा विधायकों ने अभी से मांग शुरू कर दी है। देवरिया से भाजपा विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने खुले में हो रही मांस की बिक्री को सावन से पहले बंद कराने के लिए डीएम को एक चिट्ठी लिखी है। विधायक ने चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर जल्द ही मांस की बिक्री और बूचड़खानों पर प्रतिबंध नहीं लगाया तो खुद सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करेंगे। भाजपा विधायक ने चिट्ठी में आगे लिखा, आपको और आपके अधीनस्थ अधिकारियों को पत्र एवं फोन के माध्यम से बार–बार अवगत कराया गया लेकिन इसके बाद भी कोई एक्शन नहीं लिया गया है।

रेलवे स्टेशन के पास दुर्गा मंदिर के आस–पास बड़ी संख्या में बूचड़खानों का संचालन हो रहा है। इतना ही नहीं यहां पर खुले में मांस की बिक्री भी की जा रही है, मांस की बिक्री की बदबू आने के कारण मंदिर आने–जाने वालों को काफी परेशानी होती है। उन्होंने चिट्ठी में आगे लिखा, देवरिया रेलवे स्टेशन के बाहर हो कई वर्षों से ये अवैध कारोबार हो रहा है। उन्होंने लिखा, जब सीएम योगी गोरखपुर से सांसद थे तब उनके द्वारा मंदिर परिसर के आसपास होने वाली मांस–बिक्री को लेकर व्यापक आंदोलन हुआ था, जिसके बाद मांस की दुकानों को बंद करा दिया गया था। कुछ दिन बीतने के बाद ये धंधा फिर से शुरू हो गया। अफसरों को बताने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने डीएम को लिखी चिट्ठी में साफ कहा है कि अगर सावन से पहले खुले में हो रही मांस की बिक्री पर प्रतिबंध नहीं लगा तो वह सड़कों पर उतर जाएंगे।

कर्मचारियों के उत्कृष्ट कार्य नगर पंचायत की पहचान –कहकशा फिरोज

संवाददाता–बलरामपुर। नगर पंचायत तुलसीपुर सभागार में चेयरमैन कहकशा फिरोज की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक आयोजित की गई। बैठक में कर्मचारियों की समस्याओं के साथ–साथ मोहर्रम एवं सावन महीने को देखते हुए साफ–सफाई व अन्य व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई। अध्यक्षा ने नपाप कर्मचारियों को निरूशुल्क रेनकोट का वितरण भी किया।

बोर्ड बैठक में नपाप अध्यक्षा कहकशा फिरोज ने मोहर्रम एवं सावन महीने के मद्देनजर तैयारियों पर की रणनीति बनाई गई। उन्होंने कहा कि मोहर्रम को देखते हुए कर्बला जाने वाले रास्ते सीरिया नाला एवं नगर में ताजिया रखने वाले स्थान पर साफ–सफाई का इंतजाम होना चाहिए। इसके साथ–साथ सावन महीने को देखते हुए शिवालयों में साफ–सफाई एवं चूना छिड़काव के साथ बिजली व पथ प्रकाश की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। अध्यक्षा ने सभी जिम्मेदारों को अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी के साथ करने का निर्देश दिया। अध्यक्ष प्रतिनिधि अदनान ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य नगर को साफ–सुथरा, स्वच्छ एवं आदर्श नगर पंचायत के रूप में विकसित करना है। बोर्ड बैठक में नगर पालिका कर्मचारियों को निरूशुल्क रेनकोट का वितरण किया गया। इस दौरान नगर पंचायत के सभी सभासद एवं अधिशासी अधिकारी प्रवीण कुमार मौजूद रहे। अधिशासी अधिकारी ने सभी कर्मचारियों को उनके कार्यों को देखते हुए जिम्मेदारी के साथ अपने कार्यों को करने का निर्देश दिया।

निकाला गया जुलूस, या हुसैन की सदाये गूंजी

संवाददाता–गोण्डा। शहर में पांचवी मोहर्रम का जुलूस बड़ी अकीदत व एहतराम के साथ निकाला गया। ताजिया और अलम व घोड़े का जुलूस शहर के मनोरंजन तिराहा से शुरू हुआ। जो एकता तिराहा, वीर अब्दुल हमीद चौराहा से गुजरता हुआ देर रात मोहल्ला राधाकुंड में समाप्त हुआ। जुलूस रवायती अंदाज में ढोल, ताशों और नक्कारों के साथ मातमी धुन में निकाला गया। इस दौरान चौक बाजार सहित आसपास के इलाको में अकीदतमंदों की भारी भीड़ रही। जुलूस में या हुसैन की सदाये गूंजती रही। शहर में जगह–जगह ने लंगर बांटा गया। देर रात निकला जुलूस शहर के विभिन्न रास्तों से होते हुए देर रात राधाकुंड मोहल्ले में समाप्त हुआ। मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष मेंहदी रजा, गुड्डू सिद्दीकी, हाजी जकी, महफूज, सभासद फहीम सिद्दीकी, सभासद आजम अली, इबरार, वली मोहम्मद, रिजवान शमीम, रिंकू मामा आदि मौजूद रहे।

गमे हुसैन में जंजीर का मातम कर लहूलुहान हुए अजादार रू नगर के शिया समुदाय ने शुक्रवार की देर रात रगड़गंज रोड स्थित अंजुमन इमामबाड़ा से पांचवीं मोहर्रम का मातमी जुलूस निकाला। जुलूस में शामिल सैकड़ों लोग सीनाजनी करते फैजाबाद रोड स्थित बनवरिया इमामबाड़ा पहुंचे। गमगीन आजादारों ने इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए जंजीर का मातम कर खुद को लहूलुहान कर लिया। इस मौके पर अंजुमने ने नौहाख्वानी कर माहौल को गमजदा बनाया। तय शुदा रास्ते से गुजरते हुए देर रात इमामबाड़े में पहुंचकर संपन्न हुआ। शिया मोहर्रम कमेटी के सदर डा सैय्यद आजम हुसैन, शबाहत हुसैन, मोजिज सहित अन्य लोग रहे। उधर, सीओ नगर सौरभ वर्मा, कोतवाल राजेश कुमार सिंह सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस फोर्स के साथ मौजूद रहे।

आम के लिए बच्चों के साथ बर्बरता से लोगों में आक्रोश

संवाददाता–महराजगंज। थाना क्षेत्र के एक गांव मे आम बीनने के आरोप मे बच्चो को पकड़कर पेड मे बांध पिटाई की घटना से क्षेत्र के लोग आक्रोश व स्तब्ध हैं। परिजन पुलिस कार्रवाई से असंतुष्ट है। उनका कहना है कि पुलिस मामले का अल्पीकरण करते हुए कार्रवाई की। ठेकेदार को बचा रही है। न्याय नहीं मिला तो वह उच्चाधिकारियो के पास जाएंगे। जरूरत पड़ी तो मुख्यमन्त्री के जनता दरबार भी जाएंगे। चौक निचलौल मार्ग के किनारे आम का बड़ा बगीचा है। बाग स्वामी ने बगीचे को ठेके पर दे दिया है। गुरुवार को गांव के कुछ बच्चे बाग मे आम बीनने के लिए गये थे। आरोप है कि बाग की रखवाली कर रहा आरोपित तीन बच्चों को पकड़ उन्हें रस्सी के सहारे पेड़ से बांधकर उनके मुंह मे आम ठूंस दिया। दोबारा बागीचा मे नही आने की चेतावनी दिया किसी ने प्रकरण का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इस घटना के बाद तीनों बच्चों की मां आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई के लिए चौक थाना में प्रार्थना पत्र दिया। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ठेकेदारो के दबाव में आकर सिर्फ रखवाली करने वाले के खिलाफ मामूली धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले को दबाने का कार्य कर रही है। ठेकेदारों को बचा रही है। थानाध्यक्ष चौक प्रशांत कुमार पाठक का कहना है कि विवेचना हो रही है। जो भी व्यक्ति दोषी पाया जायेगा उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। इस मामले में एसपी कार्यालय के मीडिया सेल का कहना है कि बगीचे से आम बिनने के लिए बच्चों के साथ बर्बरता करने वाले युवक को थाना चौक पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बच्चों के साथ बर्बरता करने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेकर त्वरित कार्रवाई करते हुए युवक को गिरफ्तार किया है। मीडिया सेल के मुताबिक 10 जुलाई की शाम करीब 5.30 बजे की घटना की सूचना थाना चौक पुलिस को 11 जुलाई को मिली जब पिपरिया गुरु गोविंद राय चौक की महिला ने पुलिस को बताया कि उनका 7 वर्ष का लड़का, 8 वर्ष व 6 वर्ष के बच्चों के साथ गांव के ही बगीचे में आम बिनने के लिए गए थे। बगीचे की रखवाली सुदर्शन पुत्र राममुरात निवासी पिपरिया करता है। बच्चों के आम बीनने से वह नाराज हो गया। जिसके बाद तीनों बच्चों का हाथ रस्सी से बांध कर मुंह में पका हुआ आम डाल जबरदस्ती ठूंस दिया था और मारा पीटा। इसके साथ ही इस घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा था। अनीता देवी की सूचना के आधार पर सुदर्शन के विरुद्ध थाना चौक पर धारा 115(2), 351(2), 352 बीएनएस पंजीकृत हुआ। आरोपित का चालान अन्तर्गत धारा 170, 126, 135 बीएनएस के तहत किया गया है।

GANGA ENTERPRISES

Village & Post-Parsauni Mithaura Bazar
District-Maharajganj UP Pin-273303

विज्ञप्ति सं0–125 दिनांकः– 13.07.2024

आवश्यकता है

सिक्योरिटी गार्ड/नाइट गार्ड के पद हेतु निर्धारित अर्हता निम्नानुसार हैं-

क्र0 सं0	विवरण	कार्मिकों की संख्या	प्रति माह मानदेय	माहवार व्यय सीमा	आयु सीमा	शैक्षिक योग्यता	अनुभव
1	सिक्योरिटी गार्ड/नाइट गार्ड	3	रू0 10500/–	रू0 31500/–	21 से 40 वर्ष	साक्षर होना आवश्यक है।	राज्य/जिला स्तर पर किसी सरकारी अथवा प्रतिष्ठित संगठन में सुरक्षा कर्मी के रूप में कार्य करने का 02 साल अनुभव। अधिमानतः वह सेवानिवृत्त सैन्य/अर्ध–सैन्य कर्मी हो।

उपरोक्त पद हेतु दिनांक 13.07.2024 से 20.07.2024 तक आवेदन–पत्र स्वीकार किये जायेंगे एवं स्थानीय/जनपद के आवेदको को प्राथमिकता दी जायेगी। पद हेतु मे0 गंगा इण्टरप्राइजेज, ग्राम व पोस्ट–परसौनी बाया मिठौरा, जनपद–महराजगंज पिन नं0–273207 को डाक / जमा करना होगा।

प्रो ज्ञानेन्द्र त्रिपाठी
मे0–गंगा इण्टर प्राइजेज
मो0नं0–9621583583

नेपाल में बारिश के आगे गोरखपुर-बस्ती मंडल बेबस- राप्ती और गंडक खतरे के निशान से ऊपर

संवाददाता-गोरखपुर। नेपाल में हो रही लगातार बारिश से गोरखपुर-बस्ती मंडल के जिले के लोग बेबस नजर आ रहे हैं। यहां बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। राप्ती नदी का जलस्तर बढ़ने से गोरखपुर के छह गांवों बाढ़ के पानी से घिर गए हैं। गंडक खतरे के निशान को पार कर गई है। इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती डूब गई है। सरयू नदी का जलस्तर बढ़ने के चलते संतकबीरनगर के धनघटा तहसील क्षेत्र के 15 गांवों पर बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। नेपाल में हो रही लगातार बारिश से गोरखपुर-बस्ती मंडल के जिले के लोग बेबस नजर आ रहे हैं। यहां बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। राप्ती नदी का जलस्तर बढ़ने से गोरखपुर के छह गांवों बाढ़ के पानी से घिर गए हैं। गंडक खतरे के निशान को पार कर गई है।

इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती डूब गई है। सरयू नदी का जलस्तर बढ़ने के चलते संतकबीरनगर के धनघटा तहसील क्षेत्र के 15 गांवों पर बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।

गोरखपुर मंडल की प्रमुख नदियां गंडक, छोटी गंडक, राप्ती, सरयू और रोहिन हिमालय से निकली हैं। नेपाल के तराई वाले क्षेत्र से ये नदियां यूपी में प्रवेश करती हैं। इसमें से गंडक नदी पर वाल्मिकिनगर में बैराज बना है, जबकि अन्य नदियों में पानी सीधे सैलाब लाता है। नेपाल के पहाड़ों पर जब भी बारिश होती है तो ढलान के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ने लगता है। वाल्मिकिनगर बैराज में पानी बढ़ने पर एक बार में ही हजारों क्यूसेक पानी छोड़ा जाता है। शुक्रवार को गंडक नदी में वाल्मिकिनगर बैराज से 3 लाख 30 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

नदी खतरे के निशान से 28 सेमी ऊपर बह रही है, जिसके चलते महराजगंज के अलावा कुशीनगर में भी करीब 30 गांवों पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। यहां मदन नाले का जलस्तर बढ़ने के चलते कप्तानगंज रेलवे स्टेशन के पास तक पानी पहुंच गया है। इसी तरह महराजगंज में जिले में चंदन, झरही उर्फ प्यास और भौरहियां नाले का जलस्तर भी तेजी से बढ़ रहा है। सिद्धार्थनगर जिले के शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के खैरी उर्फ झुंगहवा, तौलिहवा, खैरी शीतल प्रसाद, मटियार उर्फ भुतहवा आदि गांव बाढ़ के पानी से घिरे हैं। हर साल इन गांवों के लिए बरसात में दिक्कत बढ़ जाती है। खेती भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। माना जा रहा है कि इस साल इ ाान ही खेती में किसाानों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। संतकबीरनगर जिले में भी सरयू का जलस्तर लोगों को डरा रहा है। जिले के धनघटा तहसील क्षेत्र के गायघाट दक्षिणी, सियरकला, दौलतपुर, गुनवतिया, चकदहा, सुअरहा, भौवापार आदि गांव के चारों तरफ पानी पहुंच गया है। लोग बांध ाों पर सुरक्षित ठिकाना तलाश रहे हैं।

आपत्तिजनक वीडियो भेज तुड़वाई शादी,दी धमकी- तुम मेरी नहीं हुई तो किसी और का नहीं होने दूंगा

संवाददाता-गोरखपुर। शाहपुर इलाके की एक युवती की शादी मनचले ने उसके होने वाले पति को आपत्तिजनक वीडियो और फोटो दिखाकर तुड़वा दी। इसके बाद भी युवती को धमकी दे रहा है कि तुम मेरी नहीं हुई तो किसी और का भी नहीं होने दूंगा। एसपी सिटी के आदेश पर शुक्रवार रात शाहपुर पुलिस गुलरिहा इलाके के भटहट स्थित चिलबिलवा निवासी इरशाद खान के खिलाफ केस दर्जकर जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, शाहपुर इलाके की पीड़िता के पिता ने एसपी सिटी को प्रार्थनापत्र देकर बताया कि भटहट के चिलबिलवा निवासी इरशाद खान की उनके मोहल्ले में ननिहाल है। वह कई वर्षों से अपने ननिहाल में ही रहता है। इसी वजह उनके घर भी आता था और उनके परिवार के सदस्यों से बातचीत करता था। इसी दौरान युवती के पिता ने बेटी की शादी अप्रैल में रामगढ़ताल इलाके एक मोहल्ले में तय कर दी। आरोप है कि शादी की जानकारी होते ही इरशाद युवती के होने वाले पति के घर पहुंच गया और एडिट कर आपत्तिजनक वीडियो और फोटो दिखाकर शादी तुड़वा दी। इसके बाद वह मुंबई फरार हो गया और वहां से फोन कर युवती को धमकी देने लगा। आरोप है कि 14 जून को युवती बहन के साथ छत पर टहल रही थी।

इस दौरान आरोपी जान मारने की नीयत से चाकू लेकर पहुंच गया। युवती ने उसे किसी तरह पकड़ लिया और परिजनों को जानकारी दी। परिजन छत पर पहुंचे तो आरोपी छत से कूदकर फरार हो गया। भागते हुए धमकी दी कि पुलिस को सूचना दी तो बाप-बेटी की हत्या कर दूंगा।

छत्तीसगढ़ के सीएम बोले- राम का अस्तित्व नकारने वाले अयोध्या को बदनाम कर रहे

संवाददाता-अयोध्या। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रभु श्रीराम के अस्तित्व को नकारने वाले अब अयोध्या को अपमानित करने के साथ बदनाम करने की साजिशें रच रहे हैं। ऐसा करने वालों ने ही रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के आमंत्रण को ठुकरा दिया था। इनकी बातों में कोई वजन नहीं है। ये सिर्फ झूठ और फरेब के सहारे भ्रम फैला रहे हैं।

सीएम साय शनिवार को अपनी कैबिनेट के सदस्यों के साथ रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या पहुंचे थे। इस दौरान संवाददाताओं से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की नगरी है। वहां भगवान राम का ननिहाल है। मामा प्रदेश से हम लोग आज छत्तीसगढ़ की खुशहाली की प्रार्थना करने आए हैं। हम सौभाग्यशाली हैं कि प्रभु श्रीराम ने 14 साल के वनवास का ज्यादा समय करीब 10 वर्ष छत्तीसगढ़ में बिताया। वहीं माता शबरी के झूठे बेर भी खाए थे।

इसके पहले एयरपोर्ट पहुंचने पर प्रदेश सरकार की ओर से खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री सतीश शर्मा और जिला प्रशासन की ओर से डीएम नितीश कुमार ने बुके भेंटकर उनका स्वागत किया। भाजपा की ओर से महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, रुदौली विधायक रामचंद्र यादव, भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव व भाजपा के वरिष्ठ नेता अभय सिंह ने स्वागत किया। इस बीच गोसाईंगंज के सपा विधायक अभय सिंह अपने समर्थकों के साथ पहुंच गए और उन्होंने भी सीएम की अगवानी की।

यहां से सीएम और उनके कैबिनेट के सदस्य हाईवे पर स्थित एक होटल में पहुंचे। यहां थोड़ा विश्राम करने के बाद ई-बस और अन्य वाहनों से अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए। सबसे पहले रामलला के दरबार में पूजन-अर्चन किया। यहां सीएम साय ने आराध्य को साष्टांग दंडवत किया। साथ ही अपने साथ लाई माता शबरी की पवित्र धरती शिवरीनारायण के बेरों की टोकरी समर्पित की।

इसके साथ ही विष्णुभोग चावल, कोसा वस्त्र, कारी लड्डू, अनरसा, चिरौंजी और सीताफल समेत अन्य सामग्री भी रामलला को भेंट की। यहां से सीएम समेत सभी मंत्रियों ने हनुमानगढ़ी में श्रद्धा निवेदित की। इसके बाद सरयू का दर्शन-पूजन कर आरती उतारी। साथ ही दुग्धाभिषेक और जलाभिषेक किया।

खड़ी ट्रेलर से टकरा कर बाइक सवार युवक की मौत

संवाददाता-गोरखपुर। पीपीगंज क्षेत्र के जंगल बिहुली आशीष इंडेन गैस गोदाम के सामने मुख्य मार्ग पर शुक्रवार की रात करीब 11 बजे फरेन्दा की तरफ से आ रहे 28 वर्षीय बाइक सवार युवक की सड़क पर खड़े ट्रेलर में बाइक अनियंत्रित होकर टकरा गई। बाइक सवार की मौके पर मौत हो गई है। इस मामले में मृतक के पिता की तहरीर पर ट्रेलर चालक पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। चिलुआताल क्षेत्र के काजीपुर गांव निवासी आकाश वर्मा (28) शुक्रवार की रात करीब 11 बजे फरेन्दा की तरफ से पीपीगंज की तरफ आ रहा था। उसी बीच जंगल बिहुली के आशीष इंडेन गैस गोदाम के सामने मुख्य मार्ग पर पहले से सड़क पर खड़ी ट्रेलर में अनियंत्रित होकर बाइक सवार युवक आकाश वर्मा टकरा गया। इससे उसको गंभीर चोट लगी और उसकी मौत हो गई।

पति से विवाद के बाद फंदे से लटका मिला पत्नी का शव

संवाददाता-अयोध्या। अयोध्या नगर कोतवाली क्षेत्र के शिव नगर कॉलोनी में पति से विवाद के बाद पत्नी ने फंदे से लटक कर जान दे दी। मायके पक्ष के लोगों ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया है।

शिवनगर कॉलोनी निवासी सुनील कुमार की शादी करीब 14 वर्ष पूर्व सोखावां निवासी किरन (36) के साथ हुई थी। उनके तीन बच्चे भी हैं। पति-पत्नी में पिछले काफी समय से विभिन्न मामलों को लेकर के विवाद चल रहा था। शुक्रवार की देर शाम भी उनमें आपस में विवाद हुआ तो ससुराल व के पक्ष के लोग भी इकट्ठा हुए और सुलह-समझौता हुआ था। इसी विवाद के कारण पति कहीं चला गया और घर वापस नहीं आया। इस बीच देर रात करीब 1रू30 बजे किरन के पिता ने नगर कोतवाली पुलिस को फोन करके किरन का शव फंदे से लटके होने की जानकारी दी। पुलिस ने शव नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया। पति और परिवार के सदस्यों से पूछताछ करके घटना की जानकारी ली। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी पांडेय ने बताया कि पूछताछ में मृतका के बच्चों ने आत्महत्या की जानकारी दी है। मायके वालों से पूछताछ की जा रही है। अभी तक किसी ने तहरीर नहीं दी है। आर्थिक तंगी व बेरोजगारी समेत अन्य मामलों को लेकर उनमें आपस में विवाद होता था।

भांजे की बारात लेकर पहुंचे मामा समेत दो को दबंगों ने पीटा, हालत नाजुक

संवाददाता-संतकबीरनगर। जिले के महुली थाना क्षेत्र के ग्राम जिगिना में भांजे की बारात लेकर पहुंचे मामा समेत दो की कुछ लोगों ने किसी बात को लेकर जमकर पिटाई कर दी। शरीर के कई हिस्से में चोट लग गई। विवाद के बाद दबंग युवक भाग गए। उपचार के लिए पहले सीएचसी नाथनगर फिर वहां से जिला अस्पताल लेकर गए। हालत नाजुक बनी हुई। इस मामले में घायल के भाई ने कुछ लोगों के खिलाफ थाने में तहरीर दिया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

महुली थाना क्षेत्र के नैना झाला निवासी राम गोपाल चौहान पुत्र सत्यनारायण के साथ चचेरा भाई राजेश पुत्र घनश्याम के साथ क्षेत्र के मरवटिया पहुंचा। शुक्रवार शाम को भांजा अक्षय चौहान की बारात लेकर जिगिना गांव पहुंचे। बारात के जलपान के बाद अन्य रस्मों को निभाने का कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान बारात में किसी बात को लेकर बाराती मामा राम गोपाल, राजेश की वहां मौजूद अन्य दबंग युवकों से कहासुनी हुई। उसके बाद विवाद हो गया।

दर्जन से अधिक दबंग युवकों ने राम गोपाल और राजेश की जमकर पिटाई कर दी। उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। जब तक शोर सुनकर लोग पहुंचते तब तक युवक भाग गए। दोनों घायलों को सीएचसी नाथनगर से जिला अस्पताल ले जाया गया। परिजनों के अनुसार राम गोपाल और राजेश की हालत नाजुक बनी हुई है। पीड़ित पक्ष थाने में तहरीर दे दिया है। मुकदमा दर्ज नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राप्ती नदी का पानी गांवों में घुसा, हजारों बीघा फसल बर्बाद

संवाददाता-सिद्धार्थनगर। जिले में बाढ़ से हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। बाढ़ का पानी कई गांवों में घुस गया है। इसके कारण लोगों को काफी मुश्किलें उठानी पड़ रही हैं। इस बीच भारत के पड़ोसी देश नेपाल ने भारी बारिश के चलते एक बार फिर राप्ती नदी में पानी छोड़ा है। बताया जा रहा है कि नेपाल की ओर से पानी छोड़े जाने के बाद राप्ती और उसकी सहायक नदियां खतरे के निशान को पार कर गई हैं। जनपद में आई बाढ़ के कारण हजारों बीघा फसल बर्बाद हो गई है। हालांकि, प्रशासन की ओर से जरूरी कदम भी उठाए जा रहे हैं। बाढ़ प्रभावित भगवतापुर गांव के रहने वाले लोगों ने बताया कि बाढ़ के पानी ने उनके घर को अपनी चपेट में ले लिया है। प्रशासन और नेताओं की ओर से उन्हें अभी तक किसी भी तरह की कोई मदद नहीं मिल पाई है। गांव के लोगों के पास खाने-पीने की भी कोई व्यवस्था नहीं है। वहीं, छात्र शिवम ने बताया कि राप्ती नदी में आई बाढ़ के चलते उन्हें काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। किसी तरह की कोई मदद नहीं मिलने के कारण पानी में चलकर ही स्कूल जाना पड़ता है। सरकार की ओर से भी कोई मदद नहीं मिली है।

इस बीच बस्ती मंडल के कमिश्नर अखिलेश सिंह ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लिया। उन्होंने कहा, "इस बार बाढ़ ने समय से पहले ही दस्तक दी है। सिद्धार्थनगर में करीब 80 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। इन गांवों में नावों की व्यवस्था की गई है। साथ ही प्रभावितों को खाने का सामान मुहैया कराए जाने का निर्देश दिया है। गांवों के प्रधान और तहसीलदार की मदद से लोगों तक भोजन पहुंचाया जाएगा।"

उन्होंने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में फंसे मरीजों की इलाज की भी व्यवस्था की जाएगी। फिलहाल बाढ़ का आलम यह है कि सिद्धार्थनगर के कई गांवों के अंदर तक पानी पहुंच गया है। मंडल के कमिश्नर ने भी जिले में बाढ़ क्षेत्र का दौरा किया और अधिकारियों को लोगों तक हर संभव मदद पहुंचाने का निर्देश दिया है।

नाव से जलमग्न गांव तक तक पहुंचे डीएम, एसपी दिलाया भरोसा- प्रशासनिक टीमें सभी के साथ हैं

संवाददाता-संतकबीरनगर। आमी नदी के जल स्तर में भी बढ़ोत्तरी हो गई है। शनिवार को डीएम संत कबीर नगर महेंद्र सिंह तंवर और एसपी सत्यजीत गुप्ता ने तकरीबन तीन किलोमीटर बाढ़ग्रस्त इलाके का निरीक्षण नाव से किया। नाव से ही वो गिरधरपुर गांव तक पहुंचे। गांव में उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत की और व्यवस्था का जायजा लिया।

आमी नदी के जल स्तर में भी बढ़ोत्तरी हो गई है। शनिवार को डीएम संत कबीर नगर महेंद्र सिंह तंवर और एसपी सत्यजीत गुप्ता ने तकरीबन तीन किलोमीटर बाढ़ग्रस्त इलाके का निरीक्षण नाव से किया। नाव से ही वो गिरधरपुर गांव तक पहुंचे। गांव में उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत की और व्यवस्था का जायजा लिया।

गांव के दुखहरन, रामजीत, सजीवन आदि का कहना था कि पानी तो आ गया है। इसके साथ ही अब बाहर नहीं निकल सकते है। यह हर साल होता है, जब आमी नदी बढ़ती है तो दिक्कत आती थी। डीएम महेंद्र सिंह तंवर गांव में पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत की।

डीएम ने कहा कि गिरधरपुर गांव में आमी नदी से सटा हुआ है। पानी गांव के करीब पहुंच गया है। फिलहाल चिंता की बात नहीं है। ग्रामीणों की हर संभव मदद की जाएगी। अगर जरूरत पड़ी तो भी उन्हें उनके दरवाजे तक नाव से प्रशासनिक टीमें जरूरत के सामान भी पहुंचाएगी।

बताया कि गांव वाले प्रत्येक वर्ष इस दंश को झेलते हैं। आमी नदी के ठीक बगल का गांव होने से पानी बढ़ते ही गांव में प्रवेश कर जाता है। पुलिस और प्रशासनिक टीमें गांव वालों के लिए हर संभव मदद के लिए मौजूद हैं।

आपात स्थितियों से निपटने के लिए स्कूली बच्चों को दी गई ट्रेनिंग

संवाददाता-गोरखपुर। गोरखपुर स्थित एनडीआरएफ टीम के उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में एनडीआरएफ के उप कमांडेंट संतोष कुमार के नेतृत्व में आपदा जोखिम नियुनिकरण हेतु विभिन्न संस्थानों और हितधारकों को सशक्त बनाने के लिए वृहद पैमाने पर मॉक अभ्यास, क्षमता निर्माण कार्यक्रम व जन जागरुकता के अभियान चला रही है तथा शिक्षण संस्थानों में आपदा से बचाव हेतु स्कूलों में सुरक्षा एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रही है।उसी कड़ी में शनिवार को निरीक्षक दीपक मंडल की अगुवाई में एकेडमिक ग्लोबल स्कूल के बच्चों को एनडीआरएफ की टीम द्वारा स्कूल सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया। एनडीआरएफ के प्रशिक्षित एवं अनुभवी टीम द्वारा भूकम्प, बाढ़ में बचाव के तरीके, फायर सेफ्टी, आकाशीय बिजली से बचाव, सीपीआर, गले में फंसी बाहरी वस्तु के निकालने के तरीके, शारीरिक चोटों का अस्पताल पूर्व उपचार, तात्कालिक स्ट्रेचर बनाना, लिफ्टिंग और मूविंग के तरीके, इम्प्रोवाइज्ड फ्लोटिंग डिवाइस (राफ्ट) बनाना, स्कूल सुरक्षा ड्रिल, दामिनी ऐप, सचेत ऐप इंस्टॉलेशन और उपयोग आदि विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। एनडीआरएफ टीम ने पर्यावरण के संतुलन को बनाये रखने के लिए स्कूल के बच्चों और स्टाफ को जल संरक्षण और वृक्षारोपण के लिए भी प्रेरित किया। इस कार्यक्रम मे एकेडमिक ग्लोबल स्कूल के बच्चों, शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और राहत-बचाव की बारीकियों को जाना। 11 एनडीआरएफ के निरीक्षक दीपक मंडल, निरीक्षक पंकज चौरसिया, कांस्टेबल ईश्वर चंद ,नर्सिंग असिस्टेंट संतोष यादव, कांस्टेबल विजय शंकर यादव एवं अन्य रेस्क्यूर मौजूद रहे. स्कूल के डायरेक्टर एवं एकोसिएट डायरेक्टर संदीप कुमार एवं प्रिंसिपल वीसी चाको एवं एडमिनिस्ट्रेटर अफरोज खान स्कूल के अन्य शिक्षक गण मौजूद रह कर धन्यवाद देते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया।

अज्ञात वाहन की ठोकर से युवक की मौत

संवाददाता-संतकबीरनगर। जिले के धनघटा थाना क्षेत्र के बमनौली निवासी एक युवक शुक्रवार की रात अज्ञात वाहन की ठोकर से गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने घायल युवक को हैंसर सीएचसी पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना क्षेत्र के बमनौली निवासी हरिप्रसाद अग्रहरि पुत्र राजदेव अग्रहरि ने पुलिस को तहरीर दे है। लिखा है कि उनका बेटा अंगद अग्रहरि (30) मोटरसाइकिल से लोहरैया जा रहा था। वह अभी बमनौली चौराहे से थोड़ा ही आगे बढ़ा था। तभी अज्ञात वाहन ने उसे ठोकर मार दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने घायल को हैंसर सीएचसी पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना घर पहुंचने पर परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर अज्ञात वाहन और चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में पुल से कुआनो नदी में गिरा अधेड़, मौत

संवाददाता-संतकबीरनगर। जिले के महुली थाना क्षेत्र के ग्राम गायघाट निवासी पचास वर्षीय एक व्यक्ति शनिवार देर शाम को धनघटा क्षेत्र के कटार मिश्र पुल से संदिग्ध परिस्थितियों में कुआनो नदी में गिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार नदी किनारे गिरने के बाद तड़पते हुए कुआनो नदी में समा गया।

आस पास मौजूद रहे लोगों ने आनन फानन में उसे नदी निकाला। उपचार के लिए सीएचसी हैंसर लेकर पहुंचे। उसकी हालत नाजुक देख चिकित्सक ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इलाज के दौरान अधेड़ की मौत हो गई। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने की तैयारी में जुट गई है। महुली थाना क्षेत्र के गायघाट निवासी बबलू पाण्डेय (50) पुत्र रंगनाथ पाण्डेय शुक्रवार देर शाम धनघटा क्षेत्र के कटार मिश्र पुल पर पहुँचे। पुल पर बैठे थे। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो अचानक वह पुल से नीचे गिर गए। नीचे गिरने के बाद तड़पते हुए नदी में पहुंच गए। मौजूद लोगों ने आनन फानन में नदी से निकाला। उपचार के लिए सीएचसी हैंसर ले गए। वहां से रेफर करने पर जिला अस्पताल लेकर गए। इलाज के दौरान बबलू पाण्डेय की मौत हो गई। मौत की सूचना मिलने पर कोहराम मच गया।

पौधरोपण कर ट्री गार्ड से सुरक्षित रखने का अभियान शुरू

संवाददाता-गोरखपुर। महानगर को हरा-भरा एवं प्रदूषण मुक्त बनाए रखने के अपने संकल्प के अनुपालन में नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल की पहल पर विभिन्न चौक, चौराहों पर छायादार पौध ट्री गार्ड के साथ लगाने का काम शुरू किया। इन पौधों को ट्री गार्ड से लगाने वाली फर्में उनका रखरखाव भी करेंगी।

इसकी शुरुआत परम्परा ज्वेलर्स के प्रो. संजय अग्रवाल ने ट्रांसपोर्टनगर से महेवा कटनिया बंध ा तक 50 की संख्या में ट्री गार्ड के साथ गुलमोहर, अर्जुन, अशोक, नीम और करन्जा आदि पौधों का रोपण किया। इस दौरान अपर नगर आयुक्त-द्वितीय प्रभारी अधिकारी विज्ञापन विभाग निरंकार सिंह, सहायक नगर आयुक्त सन्तोष मिश्रा, सम्बन्धित फर्मों के प्रतिनिधि, विज्ञापन विभाग लिपिक दीपक श्रीवास्तव एवं फजले रिजवान खां ने भी पौधरोपण किया। इस कार्य के लिए पांच फर्में चयनित की गई हैं जिन्हें अलग-अलग स्थान पर 50-50 की संख्या में मय ट्री गार्ड पौधरोपण करना है। उन पौधों का रखरखाव भी करना है ताकि सभी पौधे जीवित रहें। यदि किसी पौधे की किन्हीं वजहों से मर गया तो उसके स्थान पर दूसरा पौधा लगाया जाएगा।

कार्यालय, खण्ड शिक्षा अधिकारी, बस्ती सदर, बस्ती

पत्रांकः- 141-44/बी0आर0सी0 सदर/2024-25 दिनांक 12 जुलाई 2024

प्रेस विज्ञप्ति

प्राथमिक विद्यालय मूडघाट विकास खण्ड बस्ती सदर जनपद बस्ती का मुख्य भवन जो वर्ष 2001 का निर्मित है जो जर्जर है जिसके लिए दो बार नीलामी के लिए बुलाया गया किन्तु कोई क्रेता नहीं आया। जिससे नीलामी की प्रक्रिया नहीं हो सकी। उक्त भवन की पुनः तीसरी बार नीलामी की प्रक्रिया दिनांक 17.07.2024 को ब्लाक संसाधन केन्द्र, डिलिया बस्ती सदर में की जायेगी। नीलामी के लिए जो भी इच्छुक व्यक्ति ब्लाक संसाधन केन्द्र डिलिया बस्ती सदर में प्रतिभाग करना चाहता है वे लोग उक्त दिवस को उक्त स्थान पर समय प्रात 10:00 बजे नीलामी के लिए भाग ले सकते हैं।

(विनोद कुमार त्रिपाठी)
खण्ड शिक्षा अधिकारी
बस्ती सदर, बस्ती।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1-4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक-दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक-प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या-फैजाबाद कार्यालय- चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या-फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय- आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय- इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com